mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-63 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
06 मार्च 2026 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

# राज्यसभा चुनाव, नितिन-नीतीश के नामांकन में शाह पहुंचे

**● बिहार से भाजपा के 2-जेडीयू का एक नॉमिनेशन; बंगाल में टीएमसी के 4 उम्मीदवार ने पर्चा भरा**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन भरने का गुरुवार को आखिरी दिन है। बिहार में भाजपा के दो प्रत्याशी पार्टी के नेशनल प्रेसिडेंट नितिन नवीन और शिवेश कुमार ने नामांकन दाखिल किया।

बिहार के सीएम नीतीश कुमार अब राज्यसभा जा रहे हैं, उन्होंने भी नामांकन दाखिल किया है। अब बिहार को नया सीएम मिलेगा। नितिन और नीतीश के नामांकन के दौरान गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे।

इधर, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के 4 उम्मीदवारों कोएल मल्लिक, मेनका गुरस्वामी, राजीव कुमार और बाबुल सुप्रियो ने आज अपना नामांकन दाखिल किया।

**कांग्रेस ने 6 उम्मीदवारों का ऐलान किया :**गुरूवार सुबह ही कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव के लिए 6 उम्मीदवारों का ऐलान किया। तेलंगाना से अभिषेक मनु सिंघवी और छत्तीसगढ़ से फूलो देवी नेताम को दोबारा उम्मीदवार बनाया है। दोनों वर्तमान में राज्यसभा सांसद हैं।

पार्टी ने हरियाणा से करमवीर सिंह बौद्ध और हिमाचल प्रदेश से अनुराग शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। वे कांगड़ा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हैं। उन्हें हिमाचल सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू का करीबी माना जाता है। तेलंगाना की दूसरी सीट के लिए कांग्रेस ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के करीबी माने जाने वाले वेम नरेंद्र रेड्डी को मैदान में उतारा है। तमिलनाडु में स्टालिन की पार्टी DMK ने कांग्रेस को एक राज्यसभा सीट दी है। कांग्रेस ने यहां से एम. क्रिस्टोफर तिलक को उम्मीदवार बनाया है। इधर, भाजपा भी दो बार में 13 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर चुकी है।

**अमेरिकी संसद में ईरान पर हमला रोकने वाला प्रस्ताव फेल**

# अमेरिकी सांसद ने पूर्व सैनिक का हाथ तोड़ा, ईरान पर हमले का विरोध कर रहे थे

### जबरन निकालते समय दरवाजे में फंसा था हाथ

**तेल अवीव/ तेहरान,एजेंसी।** अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज छठा दिन है। इस बीच अमेरिकी संसद में आर्म्ड फोर्स से जुड़ी की सुनवाई के दौरान उस समय हंगामा हो गया जब अमेरिकी सांसद टिम शीही ने प्रदर्शन कर रहे पूर्व मरीन सैनिक ब्रायन मैकगिनिस को बैठक से बाहर निकलवाया।

इस दौरान सुरक्षा कर्मियों ने उसे जबरन बाहर निकालने की कोशिश की, जिसमें उसका हाथ टूट गया। रिपोर्ट के मुताबिक ब्रायन मैकगिनिस अमेरिका के ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल होने के फैसले का विरोध कर रहे थे। सुनवाई के दौरान अचानक उन्होंने चिल्लाते हुए कहा, 'अमेरिका इजराइल के लिए यह युद्ध नहीं लड़ना चाहता।' इसके बाद कैपिटल पुलिस ने उन्हें बाहर निकालने की कोशिश की इस दौरान रिपब्लिकन सीनेटर टिम शीही भी पुलिस के साथ उन्हें बाहर धकेलने में शामिल हो गए।

बताया जा रहा है कि लगभग 20-30 सेकंड तक पुलिस और सीनेटर उन्हें दरवाजे से बाहर निकालने की कोशिश करते रहे। इस दौरान मैकगिनिस ने दरवाजे को पकड़कर विरोध जारी रखा और नारे लगाते रहे। इसी खींचतान के दौरान उनका हाथ दरवाजे में फंस गया और टूट गया।

### यूएस ने अब तक ईरानी 20 वॉरशिप डुबोए, 5000 मिसाइल से हमला किया

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज छठा दिन है। इसके साथ ही ईरान पर अमेरिकी हमले के 100 घंटे पूरे हो गए हैं। अमेरिकी संसद ने बुधवार को एक प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इस प्रस्ताव का मकसद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ईरान के खिलाफ आगे सैन्य कार्रवाई करने से रोकना था। मतदान में प्रस्ताव के पक्ष में 47 और विरोध में 53 वोट पड़े। जरूरी बहुमत नहीं मिलने की वजह से यह प्रस्ताव पास नहीं हो सका। इसका मतलब यह है कि ट्रम्प ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई जारी रख सकते हैं। इजराइल-अमेरिका ने अब तक ईरान में 5000 से ज्यादा बम गिराए और 20 ईरानी वॉरशिर डुबोए। इन हमलों में 1 हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं। ईरान ने भी पलटवार करते हुए मिडिल ईस्ट के 9 देशों में बने अमेरिकी बेस पर हमला किया। ईरान ने इजराइल को कड़ी चेतावनी दी है। एक ईरानी सैन्य अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिका और इजराइल, ईरान में सत्ता परिवर्तन की कोशिश करते हैं, तो ईरान इजराइल के डिमोना न्यूक्लियर सेंटर को निशाना बना सकता है।

## सचिन के बेटे की शादी में धोनी-अमिताभ पहुंचे :मुकेश अंबानी-जय शाह भी शामिल हुए

**मुंबई,एजेंसी।** सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की आज सानिया चंडोक के साथ मुंबई में शादी हुई। शादी समारोह में अमिताभ बच्चन पत्नी जया बच्चन के साथ पहुंचे। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी पत्नी साक्षी के साथ आए। वहीं, पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले के साथ क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे, सुरेश रैना, हरभजन सिंह भी मौजूद रहे। शादी के फंक्शन 3 मार्च से ही चल रहे हैं। अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक के प्री-वेडिंग फंक्शन 27 फरवरी को गुजरात के जामनगर में अंबानी परिवार के घर में हुए थे। दोनों ने अगस्त 2025 में सगाई की थी। सानिया चंडोक ग्रैविस ग्रुप के चेयरमैन रवि घई की पोती हैं। अर्जुन की बहन सारा की करीबी दोस्त भी हैं। कार्यक्रम का सबसे यादगार पल तब था जब सचिन तेंदुलकर ने माइक संभाला। सचिन ने कहा- 'अर्जुन, मुझे तुम पर बहुत गर्व है। जब कोई बेटा, बेटी को घर लाता है और उसका परिचय कराता है तो पिता समझ जाता है कि बेटा अब बड़ा हो गया है। अर्जुन और सानिया एक-दूसरे के प्यार में पागल और बेहद खुश दिख रहे हैं। अर्जुन, तुम्हें ऐसा साथी मिल गया है, जो तुमसे उतना ही प्यार करता है, जितना तुम उससे करते हो।'

## कनाडा में पंजाबी यूट्यूबर नैन्सी ग्रेवाल की चाकू मारकर हत्या

**मां बोली- खालिस्तानियों ने मारा; हरियाणा में जन्मी, विवादित टिप्पणियां करती थी**

**लुधियाना,एजेंसी।** कनाडा में पंजाबी मूल की यूट्यूबर नैन्सी ग्रेवाल (45) की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। कैनेडियन पुलिस के मुताबिक मंगलवार की रात करीब साढ़े 9 बजे हमलावर उसके घर में घुसे। उसे घर के भीतर ही चाकू मारे गए।

जिसके बाद हमलावर उसे लहूलुहान हालत में छोड़कर फरार हो गए। नैन्सी कनाडा के विंडसर इलाके में रहती थी। इसका पता चलने के बाद पुलिस वहां पहुंची। जहां से नैन्सी को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

वहां के डॉक्टरों के मुताबिक उसे काफी गंभीर चोटें लगी हुई थीं। जिस वजह से उसकी मौत हो गई। नैन्सी का जन्म हरियाणा में हुआ लेकिन बाद में उनका परिवार लुधियाना शिफ्ट हो गया। अब उसकी मां जालंधर में रहती है।

## देशभर में बम धमाकों की धमकी देने का आरोपी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

**मुंबई,एजेंसी।** मुंबई के स्कूलों, स्टॉक एक्सचेंज और मेट्रो स्टेशनों समेत देश के विभिन्न स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी देकर दहशत फैलाने वाले आरोपी को मुंबई पुलिस ने पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पिछले कुछ दिनों में देश के करीब 50 स्थानों को धमकी भरे ईमेल भेजे थे।गिरफ्तार आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के न्यू बराकपुर निवासी सौरव विश्वास (28) के रूप में हुई है। मुंबई पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पिछले पांच दिनों के दौरान मुंबई, दिल्ली, गुजरात सहित कई राज्यों के महत्वपूर्ण संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों को बम धमाके की धमकी भेजी थी, जिससे सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया था। पुलिस के अनुसार 27 फरवरी को सुबह करीब 8:46 बजे इंटरनेट के माध्यम से मुंबई के कई स्कूलों और मेट्रो स्टेशनों को एक धमकी भरा ईमेल भेजा गया था।

# तमिलनाडु विधानसभा चुनाव, डीएमके-कांग्रेस में सीट शेयरिंग तय

**● कांग्रेस 28 विधानसभा सीटों पर लड़ेगी, डीएमके ने एक राज्यसभा की सीट भी दी**

**चेन्नई (तमिलनाडु),एजेंसी।** तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए द्रविड़ मुनेत्र कषगम (DMK) और कांग्रेस पार्टी में बुधवार को सीट बंटवारे पर मुहर लग गई। DMK ने कांग्रेस को 28 सीट दी हैं। इसके अलावा पार्टी को एक राज्यसभा सीट भी दी गई है। पार्टी नेताओं के अनुसार यह फैसला द्रमुक अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथगई के बीच हुई बैठक में लिया गया। राज्य में विधानसभा की 234 सीटें हैं। 2021 के चुनाव में DMK ने 133 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस को 18 सीटें मिली थीं। DMK के नेतृत्व वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस ने कुल मिलाकर 159 सीटों पर जीत हासिल की थी। दूसरी ओर NDA को 75 सीटें मिली थीं, जिसमें AIADMK 66 सीटों के साथ गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी रही थी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस और डीएमके के बीच 2004 से चले आ रहा गठबंधन टूटने की कगार पर पहुंच गया था, लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने मंगलवार को स्टालिन से मुलाकात की और लंबी बातचीत के बाद बात बन गई। कांग्रेस ने सीटों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया था। जब बात नहीं बनी तो चिदंबरम को बातचीत के लिए भेजा गया।

# 'मतुआ समुदाय को नागरिकता देने में केंद्र सरकार कर रही राजनीति': सीएम ममता बनर्जी

**कोलकाता,एजेंसी।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार नागरिकता प्रदान करने के नाम पर मतुआ समुदाय के सदस्यों को अनिश्चितता और भ्रम में धकेल रही है। मतुआ समुदाय की मुखिया बिनापानी देवी, जिन्हें लोकप्रिय रूप से बरोमा के नाम से जाना जाता है। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि केंद्र सरकार उन लोगों की पहचान पर सवाल उठा रही है, जो लंबे समय से देश के नागरिक हैं।

**पीढ़ियों से यह इस देश के नागरिक हैं-बनर्जी :**उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया 'यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र में भाजपा सरकार की साजिश के कारण हमारे मतुआ भाई-बहनों को अस्थिर और भ्रामक स्थिति में धकेला जा रहा है। नागरिकता प्रदान करने के नाम पर राजनीति खेली जा रही है।' उन्होंने आगे कहा, 'उनकी पहचान पर ही सवाल उठाया जा रहा है। एसआईआर के माध्यम से उन्हें जानबूझकर मतदाता सूची से बाहर किया जा रहा है। पीढ़ियों से इस देश के नागरिक रहे लोग, जिनके वोटों से सरकारें चुनी जाती हैं, उन्हें अब दोबारा नागरिकता'देने के नाम पर अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है।

**यह अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा-बनर्जी :**बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार समुदाय के अधिकारों को कमजोर करने वाले किसी भी कदम का विरोध करना जारी रखेगी। यह अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मेरे मतुआ भाइयों और बहनों और बंगाल की जनता के अधिकारों को छीनने के प्रयासों के खिलाफ हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

'बंगाल में वोट देना लोगों की जान के लिए खतरा'

## एसआईआर में फर्जी वोटर हटने से घबराई दीदी, योजनाओं पर उठाए सवाल: धामी

**देहरादून,एजेंसी।** उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह होली मनाने के बाद मिशन बीजेपी के जुड़ चुके हैं। होली मनाने के बाद सीएम धामी अपना कर्तव्य निभाते हुए बंगाल पहुंचे। वहां उन्होंने दीदी की सरकार पर जमकर हमला बोला। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा- दीदी ने घुसपैठियों को यहां पर घुसपैठ कराई है। उत्तराखंड के महामहिम के साथ होली खेलने के बाद सीएम धामी दोपहर को पड़ोसी देश की सीमा पर स्थित बांग्लादेश के पश्चिमी बंगाल के बांग्लादेश के कूचबिहार पहुंचे। जहां से उन्होंने भाजपा के मिशन बंगाल की शुरुआत की। **बीजेपी के लिए क्यों अहम 'पोरिबोर्तन यात्रा' :** जनता तक पहुंच और समर्थन जुटानाः यह यात्रा बीजेपी को पश्चिम बंगाल के हर विधानसभा क्षेत्र में सीधे जनता से जुड़ने का मौका देगी। इससे पार्टी को जमीनी स्तर पर अपनी बात पहुंचाने और समर्थन जुटाने में मदद मिलेगी। रैलियों और जनसभाओं के माध्यम से, बीजेपी मतदाताओं को आकर्षित करने और उन्हें अपने पक्ष में करने की कोशिश करेगी। ममता बनर्जी सरकार को चुनौती देनाः बीजेपी इस यात्रा का उपयोग ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और कुशासन के आरोपों को उजागर करने के लिए करेगी। पार्टी का लक्ष्य है कि वह जनता को यह विश्वास दिलाए कि राज्य में बदलाव की जरूरत है और बीजेपी ही एकमात्र विकल्प है जो यह बदलाव ला सकती है।

# मोदी बोले- इजराइल-ईरान जंग जल्द खत्म हो सैन्य संघर्ष किसी समस्या का समाधान नहीं

**ईरान में अब तक 1000 लोगों की मौत**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को दिल्ली में फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान उन्होंने मिडिल ईस्ट और यूक्रेन में जारी जंग को जल्दी खत्म करने की अपील की। मोदी ने कहा कि मिलिट्री लड़ाई (सैन्य संघर्ष) से कोई भी मसला हल नहीं हो सकता। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और फिनलैंड दोनों ही कानून के शासन, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा- हम इस बात पर सहमत हैं कि सिर्फ सैन्य संघर्ष से कोई भी समस्या हल नहीं हो सकती।

चाहे यूक्रेन का मुद्दा हो या मिडिल ईस्ट का भारत सभी विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और शांति स्थापित करने की कोशिशों का समर्थन करता रहेगा।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच छह दिनों से जंग जारी है। अल जजीरा के मुताबिक, इजराइल-अमेरिका ने अब तक ईरान में 5000 से ज्यादा बम गिराए हैं। वहीं 20 ईरानी वॉरशिप को डुबो दिया है। इन हमलों में एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं। ईरान ने भी पलटवार करते हुए मिडिल ईस्ट के 9 देशों में बने अमेरिकी बेस पर हमला किया है।

### मोदी बोले-एआई, 6जी और क्वांटम टेक्नोलॉजी में साझेदारी पर जोर

बैठक के दौरान दोनों देशों ने डिजिटलाइजेशन और सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जताई। दोनों पक्षों ने भारत-फिनलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक आगे बढ़ाने पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 6जी टेलीकॉम, स्वच्छ ऊर्जा और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे हाई-टेक क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देशों के रिश्तों को नई गति मिलेगी। मोदी ने यह भी कहा कि प्रस्तावित भारत-यूरोपीय फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) भारत और फिनलैंड के बीच व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग को और मजबूत करेगा। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब बुधवार को चार दिवसीय भारत दौरे पर आए हैं। इस दौरे का उद्देश्य व्यापार, निवेश और उभरती प्रौद्योगिकियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाना है।

**कोलकाता-दुबई फ्लाइट शुरू**

## स्पाइसजेट की यूएई से दिल्ली-मुंबई के लिए 13 स्पेशल फ्लाइट्स; श्रीनगर लगातार पांचवे दिन बंद

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज छठा दिन है। 28 फरवरी से शुरू हुई जंग के कारण मिडिल ईस्ट के देशों में भारत के लिए उड़ान सेवा प्रभावित हुई है। हालांकि बीते 2 दिन में हालात आंशिक रूप से सुधरे हैं। स्पाइसजेट मिडिल ईस्ट में फंसे यात्रियों की वापसी के लिए गुरुवार को UAE से 13 स्पेशल फ्लाइट्स चलाएगी। इनमें 12 फुजैराह से और 1 दुबई से चलेंगी। फुजैराह से मुंबई के लिए सात और दिल्ली के लिए पांच स्पेशल फ्लाइट्स चलेंगी। वहीं एक फ्लाइट दुबई से मुंबई आएगी। इधर, ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत पर जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में विरोध प्रदर्शन हुए। 1 मार्च से आज लगातार पांचवे दिन श्रीनगर में लाल चौक पर बैरिकेडिंग है, सुरक्षाबल की तैनाती है। गलियों के बाहर तार फैंसिंग की गई है। इस बीच 4 दिन बंद पड़ी कोलकाता-दुबई की उड़ानें आज से दोबारा शुरू की गई हैं। अधिकारियों ने कहा कि फ्लाईदुबई की फ्लाइट गुरुवार सुबह एयरपोर्ट पर लैंड हुई। इसमें 130 यात्री थे। बोइंग 737 मैक्स वाला यह प्लेन यहां से 55 यात्रियों को लेकर दुबई रवाना हुआ।

**फुजैराह से मुंबई के लिए एक्स्ट्रा फ्लाइट्स :** स्पाइसजेट के मुताबिक गुरुवार को दुबई से मुंबई के लिए स्त्र 9014 और फुजैरा से मुंबई के लिए स्त्र 9036 उड़ान चलेंगी। फुजैरा से दिल्ली के लिए SG 9006, SG 9082 और SG 9085 और फुजैरा से मुंबई के लिए SG 9087 और SG 9089 उड़ानें भी ऑपरेट की जा रही हैं।

## ईरान पर हुए हमलों पर ओआईसी की चुप्पी मुस्लिम जगत के साथ धोखा :पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती

**श्रीनगर,एजेंसी।** पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की आलोचना की। उन्होंने ईरान पर अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों पर ओआईसी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए इसे पूरे मुस्लिम जगत के साथ धोखा बताया है। एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए महबूबा ने कहा कि संकट की इस घड़ी में ओआईसी का मूक दर्शक बने रहना बेहद निराशाजनक है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा- यह बेहद परेशान करने वाला है कि जब अमेरिका और इजराइल ईरान की संप्रभुता के खिलाफ खुलेआम आक्रामकता कर रहे हैं, तब ओआईसी एक मूक दर्शक की भूमिका में है। ईरान के सर्वोच्च नेता की खामेनेई की शहादत पर इसकी चुप्पी और इसका दोष उल्टा ईरान पर ही मढ़ने की कोशिश न केवल चिंताजनक है, बल्कि बेहद शर्मनाक भी है।

# लाल सालाम से दीदी के बंगाल तक, ज्योति बसु और ममता बनर्जी के विपरीत मॉडलों ने प्रदेश को कैसे दिया आकार

**कोलकाता, एजेंसी।** जैसे-जैसे बंगाल 2026 विधानसभा चुनाव के लिए तैयार हो रहा है, राज्य के राजनीतिक व्याकरण को समझने के लिए इसके दो सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्रियों, ज्योति बसु और ममता बनर्जी की विरासत पर फिर से विचार करना आवश्यक है, जिनके शासन के विपरीत मॉडलों ने राज्य के राजनीतिक और आर्थिक पथ को आकार दिया है। इन दोनों मॉडलों के बीच का अंतर पहले से कहीं अधिक स्पष्ट हो गया है। ज्योति बसु ने भूमि सुधार और वर्ग लामबंदी पर आधारित एक कार्यकर्ता-संचालित, विचारधारा-प्रेरित शासन संरचना को संस्थागत रूप दिया। इसके विपरीत, ममता बनर्जी ने प्रत्यक्ष कल्याणकारी योजनाओं के विस्तार और लक्षित आय सहायता प्रदान करते हुए राजनीतिक सत्ता को केंद्रीकृत किया है। तीन दशकों से अधिक समय तक बंगाल में वाम मोर्चा का शासन रहा, पहले 1977 से 2000 तक ज्योति बसु के नेतृत्व में और फिर 2000 से 2011 तक बुद्धदेव भट्टाचार्य के नेतृत्व में। लगातार 23 वर्षों तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए, बसु ने वाम मोर्चा को बार-बार चुनावी जीत दिलाई और सबसे लंबे समय तक निर्बाध रूप से शासन करने वाली निर्वाचित सरकारों में से एक की स्थापना की। उनके कार्यकाल की विशेषता व्यापक भूमि सुधार थे, जैसे कि ऑपरेशन बरगा, जिसने किरायेदारी अधिकारों को मजबूत किया और त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली को गहरा किया, जिसने ग्रामीण निकायों को शक्ति का विकेंद्रीकरण किया। 1996 में, उन्हें यूनाइटेड फ्रंट गठबंधन द्वारा प्रधान मंत्री के रूप में प्रस्तावित किया गया था, लेकिन माकपा ने सरकार में शामिल होने से इन्कार कर दिया, एक ऐसा निर्णय जिसे बसु ने बाद में ऐतिहासिक भूल बताया। जब ज्योति बसु ने 1977 में सत्ता संभाली, तब बंगाल राजनीतिक अस्थिरता, खाद्य संकट और औद्योगिक गिरावट से जूझ रहा था। अगले 23 वर्षों में, उन्होंने संरचनात्मक कृषि सुधार और विकेंद्रीकृत ग्रामीण शक्ति पर आधारित एक शासन ढांचा तैयार किया। 1990 के दशक की शुरुआत तक, लगभग 15 लाख बटाईदारों का पंजीकरण हो चुका था और लाखों एकड़ अतिरिक्त भूमि को ग्रामीण गरीबों के बीच पुनर्वितरित कर दिया गया था। भूमि सुधारों के साथ-साथ, बसु ने त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत किया और निर्वाचित ग्रामीण निकायों को प्रशासनिक और वित्तीय शक्तियां सौंप दीं।

औद्योगिक गतिरोध को लेकर बसु के कार्यकाल को आलोचनाओं का भी सामना

हालांकि, 1980 के दशक और 1990 के दशक के आरंभिक वर्षों के दौरान औद्योगिक गतिरोध को लेकर बसु के कार्यकाल को लगातार आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। भूमि सुधारों से ग्रामीण समानता में सुधार हुआ, लेकिन औद्योगिक विकास पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों की तुलना में पिछड़ गया। 1980 के दशक में लगातार होने वाली श्रमिक हड़तालों और उग्र ट्रेड यूनियनवाद ने बंगाल को उद्योग-विरोधी राज्य के रूप में देखने में योगदान दिया, जिसके कारण कंपनियां राज्य से बाहर जाने लगीं और निजी निवेश धीमा हो गया। 1990 के दशक के अंत तक, रोजगार सृजन, शहरी अवसंरचना और आर्थिक विविधीकरण से संबंधित प्रश्न अधिक स्पष्ट होने लगे थे। ज्योति बसु के नेतृत्व में वाम मोर्चे ने भारतीय राजनीति में सबसे लंबे समय तक निर्बाध चुनावी शासन स्थापित किया।1977 से 2000 के बीच, बसु ने गठबंधन को लगातार पांच विधानसभा चुनावों में जीत दिलाई - 1977, 1982, 1987, 1991 और 1996। प्रत्येक जीत में, उनकी पार्टी ने स्थिर और अक्सर आरामदायक बहुमत हासिल किया।

**बसु के कार्यकाल में विदेशी निवेश को प्रभावी रूप से हतोत्साहित :** ज्योति बसु के नेतृत्व में वाम मोर्चे को कोलकाता, दुर्गापुर, हावड़ा, हुगली और खनिज संपदा से भरपूर पश्चिमी क्षेत्र में केंद्रित औद्योगिक आधार विरासत में मिला। हालांकि, इसकी प्रारंभिक औद्योगिक नीति (1978) में रोजगार सृजन और बड़े व्यापारिक घरानों और बहुराष्ट्रीय निगमों के प्रभुत्व को कम करने के लिए लघु और कुटीर उद्योगों को प्राथमिकता दी गई। नए विदेशी निवेश को प्रभावी रूप से हतोत्साहित किया गया। श्रमिक आंदोलन, लगातार हड़तालें और प्रतिकूल कारोबारी माहौल की धारणा ने उद्योगों को पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों में स्थानांतरित करने में योगदान दिया। निजी निवेश धीमा पड़ गया और राष्ट्रीय औद्योगिक उत्पादन में बंगाल की हिस्सेदारी समय के साथ घटती गई। 1994 में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया जब वाम मोर्चे ने निजी और विदेशी निवेश का स्वागत करते हुए उदारीकृत औद्योगिक नीति की घोषणा की। प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में पेट्रोकेमिकल्स, आईटी, इस्पात, वस्त्र और पर्यटन शामिल थे। ज्योति बसु के नेतृत्व में लगातार वाम मोर्चा सरकारों के शासनकाल में पश्चिम बंगाल में शिक्षा के बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय विस्तार हुआ। साक्षरता दर 1977 में 38त्न से बढ़कर 2001 में 68% और 2011 में 77त्न हो गई। वाम मोर्चा के शासनकाल के दौरान शिक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर खर्च में धीरे-धीरे वृद्धि हुई, जिसमें सरकारी स्कूलों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह माडल संस्थागत वितरण और कैडर-संचालित कार्यान्वयन पर अत्यधिक निर्भर था।

# तमिलनाडु की 500 साल पुरानी कांस्य प्रतिमा की घर वापसी, ऑक्सफोर्ड के संग्रहालय ने पूरी की प्रक्रिया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के एशमोलियन संग्रहालय तमिलनाडु के एक प्राचीन मंदिर से चुराई गई 16वीं शताब्दी की कांस्य प्रतिमा भारत को वापस लौटाने की तैयारी में है। यह प्रतिमा दक्षिण भारतीय हिंदू संत तिरुमंगाई अलवार (थिरुमंगाई अलवार) की है, जो तमिलनाडु के थाडिकोम्बु गांव स्थित श्री सौंदरराज पेरुमल मंदिर की मूल पूजनीय वस्तु थी। प्रतिमा की ऊंचाई 57.5 सेंटीमीटर है और यह ठोस कांस्य से बनी हुई है। एशमोलियन संग्रहालय ने 1967 में सोथबीज़ नीलामी घर से डॉ. जे.आर. बेलमोंट (1886-1981) के निजी संग्रह से यह प्रतिमा खरीदी थी। उस समय इसकी उत्पत्ति के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं थी। हालांकि, नवंबर 2019 में एक स्वतंत्र फ्रांसीसी शोधकर्ता ने संग्रहालय को सूचित किया कि 1957 में ली गई एक तस्वीर में यही प्रतिमा थाडिकोम्बु के सौंदरराज पेरुमल मंदिर में मौजूद थी। इस खुलासे के बाद संग्रहालय ने इसकी जांच शुरू की। 11 फरवरी 2020 को मंदिर के एक कार्यकारी अधिकारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि मूल प्रतिमा की जगह एक आधुनिक प्रतिकृति स्थापित कर दी गई है। इसके बाद भारतीय उच्चायोग ने 3 मार्च 2020 को औपचारिक दावा पेश किया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अनुरोध पर संग्रहालय ने कांस्य की धातु का वैज्ञानिक विश्लेषण कराया और उत्पत्ति की पुष्टि की। मार्च 2024 में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की परिषद ने वापसी के दावे का समर्थन किया और चारिटी कमीशन की मंजूरी के बाद प्रतिमा को भारत को सौंप दिया गया। लंदन में भारतीय उच्चायोग (इंडिया हाउस) में एक औपचारिक समारोह में प्रतिमा का हस्तांतरण किया गया, जिसमें एशमोलियन संग्रहालय की निदेशक डॉ. ज़ा स्टर्गिस और पूर्वी कला विभाग की प्रमुख प्रोफेसर मलिका कुम्बेरा लैंड्रस मौजूद थीं। डॉ. ज़ा स्टर्गिस ने कहा, इस महत्वपूर्ण वस्तु को भारत में वापस लाकर एशमोलियन संग्रहालय बेहद प्रसन्न है। हम भारतीय अधिकारियों, विद्वानों और शोधकर्ताओं के आभारी हैं जिन्होंने इसकी उत्पत्ति का पता लगाने में मदद की। संग्रहालय और विश्वविद्यालय नैतिक संग्रह प्रथाओं, वस्तुओं की उत्पत्ति और इतिहास पर निरंतर शोध के लिए प्रतिबद्ध हैं।

# नोएडा में उपभोक्ताओं को मिलेगी बेहतर बिजली बिलिंग सुविधा, दो नए दफ्तर खुलेंगे

**नोएडा, एजेंसी।** जिले में उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए इसी माह दो नए बिलिंग दफ्तर शुरू होंगे। बीते माह तीन दफ्तर शुरू कर दिए गए हैं। उपभोक्ताओं की और बेहतर सुविधाओं के लिए यह दफ्तर शुरू किए जाएंगे। जिले में नई व्यवस्था शुरू होने के बाद एक समस्या को सुनने और बिना देरी के समय पर हल करने के लिए नए दफ्तर शुरू किए जा रहे हैं। नई व्यवस्था के तहत जिले में बिलिंग की व्यवस्था की जिम्मेदारी एक अधिशासी अभियंता को दे दी गई है। सेक्टर-18 में दफ्तर है। अब समस्या यह आ गई है कि देहात क्षेत्र के उपभोक्ता आनलाइन शिकायत करने के बजाए बिजली दफ्तर पर आकर शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। इसके चलते सेक्टर-18 बिजली दफ्तर पर लोगों की भीड़ लगी रहती थी। इसके चलते तीन नए दफ्तर दादरी, जेवर और दनकौर में भी बिलिंग दफ्तर बीते माह शुरू कर दिए गए। तीनों स्थानों पर बाबू और जेई की स्थाई तैनाती दे दी गई है। इसके अलावा अभी एई सप्ताह में एक-एक दिन तीनों दफ्तरों पर बैठ रहे हैं। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा वेस्ट और सेक्टर-23 नोएडा में भी बिलिंग दफ्तर शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इसी माह यहां दफ्तर शुरू हो सकते हैं।

# किम जोंग उन का दावा- परमाणु ताकत से लैस होगी उत्तर कोरिया की नौसेना

**सियोल, एजेंसी।** उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने नए युद्धपोत का निरीक्षण किया और मिसाइल परीक्षण देखे। उन्होंने अपनी नौसेना को परमाणु हथियारों से लैस करने का संकल्प लिया है। किम ने हर साल दो नए युद्धपोत बनाने का लक्ष्य रखा है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी नौसेना की ताकत ब?ाने के लिए ब? कदम उठाए हैं। उन्होंने लगातार दो दिनों तक नए युद्धपोत (डिस्ट्रॉयर) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने युद्धपोत से दागी गई क्रूज मिसाइलों का परीक्षण भी देखा। किम ने अपनी नौसेना को परमाणु हथियारों से और अधिक मजबूत करने का वादा किया है। सरकारी मीडिया ने गुरुवार को इस दौरे की जानकारी दी। किम जोंग उन ने मंगलवार और बुधवार को नम्पो के पश्चिमी शिपयार्ड का दौरा किया। वहां उन्होंने 5,000 टन के युद्धपोत ह्योन जैसी श्रेणी के तीसरे जहाज के निर्माण कार्य का जायजा लिया। किम ने कहा कि चो ह्योन का विकास उनकी सेना की मारक क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी प्रगति है। यह जहाज परमाणु क्षमता वाली बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों को दागने के लिए बनाया गया है। दक्षिण कोरियाई विशेषज्ञों का मानना है कि इस जहाज को बनाने में रूस ने मदद की है। हालांकि, कुछ लोग इसकी कार्यक्षमता पर संदेह भी जता रहे हैं। पिछले साल मई में इसी श्रेणी का दूसरा जहाज लॉन्चिंग के दौरान खराब हो गया था। इस नाकामी पर किम जोंग उन ने बहुत गुस्सा जाहिर किया था। उन्होंने इसे एक अपराध बताया था। उस जहाज का नाम कांग कोनथा, जिसे मरम्मत के बाद जून में फिर से लॉन्च किया गया। किम ने अब लक्ष्य रखा है कि अगले पांच वर्षों तक हर साल दो बड़े युद्धपोत बनाए जाएंगे। उनका पूरा ध्यान अब नौसेना की क्षमता बढ़ाने पर है। इसमें परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां बनाना भी शामिल है। नम्पो शिपयार्ड में बन रहा तीसरा युद्धपोत अक्टूबर तक पूरा होने की उम्मीद है। किम जोंग उन ने दावा किया कि नौसेना को परमाणु हथियारों से लैस करने की कोशिशों में अच्छी प्रगति हो रही है।

उन्होंने कहा कि यह बदलाव समुद्री सीमाओं की रक्षा में बड़ी भूमिका निभाएगा। जानकारों का कहना है कि उत्तर कोरिया एक नई समुद्री सीमा घोषित करने की तैयारी में है। किम ने साफ कर दिया है कि वे पुरानी समुद्री सीमा (एनएलएल) को मान्यता नहीं देते हैं। इस वजह से आने वाले समय में समुद्री क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है। किम ने अपनी सेना को मजबूत करने के साथ-साथ कूटनीतिक रास्ते भी खुले रखे हैं। उन्होंने ट्रंप प्रशासन के साथ बातचीत की संभावना जताई है। हालांकि, उन्होंने शर्त रखी निरस्त्रीकरण की अपनी जिद छोड़नी होगी। गतिविधियों ने पूरे एशिया क्षेत्र में चिंता बढ़ा दी है।

# व्हाइट हाउस का बड़ा बयान- ईरानी आसमान पर जल्द अमेरिका का नियंत्रण होगा

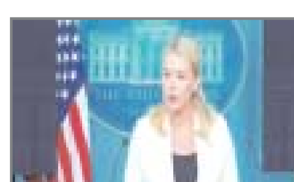

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका की तरफ से ईरान के खिलाफ कोई नरमी नहीं बरती जा रही है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने प्रेस वार्ता में बताया कि जल्द ही अमेरिकी सेना ईरान के हवाई क्षेत्र पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लेगी। उन्होंने इस दौरान हॉर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी टिप्पणी की है। अमेरिका ने दावा किया है कि ईरान के खिलाफ चलाए जा रहे सैन्य अभियान में उसे बड़ी सफलता मिल रही है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में ईरान के आतंकी शासन को कड़ा जवाब दिया जा रहा है और उसके सैन्य ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। लेविट के अनुसार अमेरिका ने ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम का सैन्य अभियान शुरू किया है। इस अभियान का मुख्य लक्ष्य ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता को खत्म करना, उसके मिसाइल उद्योग को पूरी तरह नष्ट करना और ईरानी नौसेना को कमजोर करना है। उन्होंने कहा कि अब तक अमेरिकी सेना ईरान के 20 से ज्यादा जहाजों को नष्ट कर चुकी है, जिनमें उसका एक प्रमुख पनडुब्बी भी शामिल है। इस हमले में पहली बार द्वितीय विश्व युद्ध के बाद टॉरपीडो का इस्तेमाल किया गया।

**ईरानी आसमान जल्द होगा अमेरिका का नियंत्रण :** व्हाइट हाउस का दावा है कि इस समय अरब सागर, हॉर्मुज जलडमरूमध्य और ओमान की खाड़ी में कोई भी ईरानी जहाज सक्रिय नहीं है। लेविट ने कहा कि आने वाले कुछ घंटों में अमेरिकी सेना ईरान के आसमान पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लेगी। इसके बाद सेना चिन्हित सैन्य ठिकानों पर बड़े हमले करेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। उनके मुताबिक अमेरिका ने पहले ईरान के साथ बातचीत की कोशिश भी की थी और प्रतिबंध हटाने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन ईरान ने उसे ठुकरा दिया।

**व्हाइट हाउस ने होर्मुज पर नियंत्रण करने के दिए संकेत :** लेविट ने यह भी कहा कि अमेरिका के पास पर्याप्त हथियार और गोला-बारूद मौजूद है और जरूरत पड़ने पर सैन्य कार्रवाई और आगे बढ़ाई जा सकती है। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि यूरोपीय देश भी इस अभियान में अमेरिका का सहयोग करेंगे। व्हाइट हाउस के अनुसार इस कार्रवाई से दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति भी सुरक्षित होगी, क्योंकि ईरान अब हॉर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए तेल की आपूर्ति को नियंत्रित नहीं कर पाएगा। यह रास्ता दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

# पश्चिम एशिया संकट- हिंद महासागर में अमेरिका ने डुबोया ईरानी युद्धपोत

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष ने खाड़ी देशों के साथ दुनियाभर की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे में अब इसका असर भारत पर कैसे पड़ने वाला है? यह सवाल आज इसलिए उठ रहा है, क्योंकि अमेरिकी पनडुब्बी ने हिंद महासागर में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को टॉरपीडो से ध्वस्त कर दिया। ईरान के इस युद्धपोत का तार भारत के साथ कैसे जुड़ा है और यह घटना भारत के सामरिक और समुद्री हितों को खतरे में कैसे डाल सकती है? आइए यहां समझते हैं। दुनिया की राजनीति अब अत्यधिक खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। इसका कारण है कि अमेरिका और इस्राइल का ईरान पर किए गए हमले और फिर ईरान की ओर से जवाबी कार्रवाई ने खाड़ी देशों के साथ-साथ दुनियाभर की राजनीति में चिंता पैदा कर दी है। इस आधार पर यह कहना गलत नहीं होगा कि इस युद्ध की आग से उठे लपेटें ने सिर्फ पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया और अब भारतीय महासागर के पानी में भी उबाल आ गया है। तनाव इतना बढ़ चुका है कि एक अंतरराष्ट्रीय शक्ति ने टॉरपीडो तक चलाकर अपनी ताकत दिखा दी, जिससे भारत में चर्चा तेज हो गई है। आइए जानते हैं कि पश्चिम एशिया का युद्ध अब भारत के दरवाजे तक पहुंच गया?

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिकी पनडुब्बी ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय जल में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को टॉरपीडो से निशाना बनाया और ध्वस्त कर दिया। इस हमले से जहाज का मुख्य ढांचा टूट गया, जिससे बचाव दल को कोई जहाज नहीं मिला।

गौर करने वाली बात यह है कि यह अमेरिका की द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली टॉरपीडो से युद्धपोत पर किया गया हमला है।

**भारत से कैसे है संबंध? पहले ये समझिए :** इस बात को ऐसे समझिए कि जब ईरान के युद्धपोत पर अमेरिका का यह हमला हुआ, उस समय आईआरआईएस देना भारत में आंध्र प्रदेश के विशाखपटनम के विजाग से लौट रही थी, जहां उसने मिलान अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास और बंगाल की खाड़ी में अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक रिव्यू में हिस्सा लिया था। हमला श्रीलंका के दक्षिणी तट के पास अंतरराष्ट्रीय जल में हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, जहाज पर लगभग 87 लोग मारे गए जबकि श्रीलंका की नौसेना ने लगभग 30 नाविकों को बचाया और उन्हें गाले, श्रीलंका के अस्पताल में भर्ती कराया।

**इस हमले से कैसे बढ़ी चिंता, ये भी समझिए :** बता दें कि यह हमला दर्शाता है कि अमेरिकी नौसेना अब भारतीय महासागर में भारी उपस्थिति बनाए हुए है। इस क्षेत्र में अमेरिका की पांचवीं फ्लेट, जो बहरीन में मुख्यालय रखती है, सबसे सक्रिय है। इसमें नाभिकीय पनडुब्बियां और बड़े युद्धपोत शामिल होते हैं। ऐसे में इस घटना ने भारत की सुरक्षा चिंता को बढ़ा दिया है। मामले में पूर्व नौसेना प्रमुख अधिरामन प्रकाश ने कहा कि यह दिखाता है कि ईरान-अमेरिका-इस्राइल युद्ध अब भारत के दरवाजे तक आ गया है। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को अपनी सुरक्षा और रणनीतिक हितों के लिए स्वतंत्र और समझदारी से कदम उठाने होंगे।

**भारतीय जलक्षेत्र में नहीं हुआ हमला :** हालांकि ध्यान देने वाली बात यह है कि यह हमला भारतीय जलक्षेत्र में नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय जल में हुआ, जिससे भारत और अमेरिका के बीच कोई कूटनीतिक विवाद नहीं हुआ।

# गुरुग्राम में उद्योगों को कचरा प्रबंधन शुल्क में मिलेगी छूट, शहरी उपभोक्ताओं को मुफ्त पानी

**गुरुग्राम, एजेंसी।** गुरुग्राम शहर के औद्योगिक इकाइयों को बड़ी राहत देते हुए सरकार ने कचरा प्रबंधन शुल्क की व्यवस्था में बदलाव किया है। जो फैक्ट्रियां अपने परिसर में ही कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करेंगी, उनसे अब कोई कूड़ा शुल्क नहीं लिया जाएगा। पहले पूरे प्लाट एरिया के आधार पर 0.50 रुपये प्रति वर्ग फुट की दर से शुल्क तय था, लेकिन नई व्यवस्था में यह दर केवल कवर्ड एरिया पर लागू होगी। औद्योगिक हब के रूप में पहचान बना चुके साइबर सिटी से प्रतिदिन लगभग 400 टन औद्योगिक कचरा निकलता है। बजट में घोषित इस नीति से बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर पड़ने वाला दबाव कम होने की संभावना जताई जा रही है। अधिकारियों का मानना है कि इससे शहर की स्वच्छता व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। बजट में शहरी उपभोक्ताओं को राहत देते हुए 500 गज तक के रिहायशी मकानों को हर महीने दस किलोलीटर पेयजल मुफ्त देने का प्रविधान किया गया है। अब तक एक रुपये प्रति किलोलीटर की दर से बिल वसूला जाता था। अनुमान है कि इस निर्णय से शहर के तीन लाख से अधिक मकान मालिकों को लाभ मिलेगा। हालांकि, योजना का फायदा लेने के लिए पानी का मीटर लगवाना अनिवार्य किया गया है।

**डेढ़ लाख से ज्यादा अवैध कनेक्शन :** नगर निगम क्षेत्र में इस समय लगभग 1.91 लाख वैध जल कनेक्शन दर्ज हैं, जबकि डेढ़ लाख से ज्यादा अवैध कनेक्शन चिन्हित किए जा चुके हैं। निगम हर साल करीब 140 से 145 करोड़ रुपये के बिल जारी करता है, लेकिन वसूली लगभग 50 से 60 करोड़ रुपये तक ही सीमित रह जाती है। सरकार को उम्मीद है कि अनिवार्य मीटरिंग से राजस्व में बढ़ोतरी होगी और पानी की चोरी पर नियंत्रण लगेगा।

**पार्षदों को अब टेंडर के लिए नहीं करना होगा इंतजार :** शहरी निकायों के जनप्रतिनिधियों को भी पहली बार विशेष आपातकालीन निधि देने की घोषणा की गई है। नगर निगम के पार्षदों को सालाना छह लाख रुपये, नगर परिषद के पार्षदों को तीन लाख रुपये और नगर पालिका के पार्षदों को डेढ़ लाख रुपये तक की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। इस फंड का उपयोग वार्ड स्तर पर सीवर लाइन टूटने, पेयजल पाइपलाइन फटने, जलभराव या अन्य आकस्मिक समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए किया जा सकेगा। अधिकारियों का दावा है कि इस व्यवस्था से टेंडर प्रक्रिया में होने वाली देरी से राहत मिलेगी और स्थानीय स्तर पर जनता की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण संभव हो सकेगा।

# नोएडा में विवाहेतर संबंध को लेकर मारी गोली, प्रेमी साहिल सिंघल की मौत; महिला के भाई ने की फायरिंग

**नोएडा, एजेंसी।** सेक्टर-75 स्थित आईवी काउंटी में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। थाना सेक्टर-113 को डायल-112 के जरिए सूचना मिली कि वहां एक व्यक्ति को गोली लगी है। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि पीड़ित साहिल सिंघल (पुत्र योगेश कुमार सिंघल, उम्र 39 वर्ष), निवासी आईवी काउंटी, सेक्टर-75, गौतमबुद्ध नगर को गोली मारी गई थी। उसके पिता ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में सामने आया कि साहिल सिंघल पहले से विवाहित था और पिछले लगभग 4 वर्षों से एक महिला के साथ उसका विवाहेतर संबंध चल रहा था। घटना के दिन वह महिला अपने दो भाइयों के साथ साहिल से मिलने आई थी, जिनकी सोसाइटी में एंट्री साहिल ने ही कराई थी। दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया और महिला के एक भाई ने साहिल पर गोली चला दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर मामला दर्ज किया है और दो व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया है। अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। यह घटना विवाहेतर संबंध से जुड़े विवाद के कारण हुई बताई जा रही है।

# गाजियाबाद में मकान का सौदा कर हड़पे 2.59 करोड़ रुपये, प्रॉपर्टी डीलर ने दर्ज कराया केस

**गाजियाबाद, एजेंसी।** गाजियाबाद में संजयनगर निवासी प्रॉपर्टी डीलर राधेश्याम नारंग ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि उन्होंने हेमंत राघव, विशाल राघव, नीहीत अग्रवाल एवं एक अन्य से कविनगर के एक मकान का सौदा किया था। उन्होंने हेमंत राघव को 2.59 करोड़ रुपये भी दिए हुए थे। आरोप है कि न आरोपियों ने मकान की रजिस्ट्री कराई और न ही उनके रुपये वापस किए हैं। परेशान होकर उन्होंने कविनगर थाने में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। गाजियाबाद में क्रासिंग रिपब्लकि निवासी सुधाकर मिश्रा ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि उन्होंने अपने एक भूखंड का सौदा दिल्ली के अशोक विहार निवासी कपिल जालान और उनकी पत्नी रेनू जालान से किया था। पीड़ति का कहना है कि आरोपितों ने रजिस्ट्री के बावजूद उन्हें पूरा भुगतान नहीं किया। इसी बीच उन्हें पता चला कि उनके भूखंड को किसी अन्य को बेच दिया है। पीड़ति ने अपने रुपये वापस मांगे तो आरोपितों ने उन्हें धमकाया। पीड़ित की शिकायत पर क्रासिंग रिपब्लिक थाने में आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

# मध्यप्रदेश 6 राज्यों को पानी देने वाला प्रदेश, जल संवर्धन के अच्छे प्रयास हो रहे हैं: केन्द्रीय मंत्री

## प्रदेश में 250 से अधिक नदियों का मायका, दो वर्षों में 2.79 लाख जल संरचनाएं बनाई गईं: मुख्यमंत्री

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में जल संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की। केन्द्रीय मंत्री पाटिल ने कहा कि मध्यप्रदेश के बड़े भू-भाग में वन क्षेत्र है और महाराष्ट्र के बाद प्रदेश में सर्वाधिक बांध हैं। मध्यप्रदेश अपनी नदियों और बांधों के माध्यम से उत्तरप्रदेश, झारखण्ड, बिहार, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र सहित छह राज्यों को पानी उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने बताया कि जल गंगा जनभागीदारी अभियान में खण्डवा जिले को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। प्रदेश में जल संवर्धन और संरक्षण के अच्छे प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खण्डवा की तरह हर जिले में जल संरक्षण के लिए व्यापक प्रयास किए जाएं तथा लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जाए। आमजन की भागीदारी से ही जल संरक्षण का अभियान सफल होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पक्के भवन में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाकर छत के पानी को धरती में पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। बड़े खेतों में वर्षा जल को धरती में पहुंचाने के लिए रिचार्ज संरचनाएं बनाई जाएं। गांव का पानी गांव में और खेत का पानी खेत में रोकने से ही जल संवर्धन संभव होगा। उन्होंने वनों में भी बड़े वृक्षों के पास कंटूर एवं ट्रेंच बनाकर जल संरक्षण के कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जल संरक्षण के आह्वान पर मध्यप्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। गत वर्ष खण्डवा जिले में 1 लाख 29 हजार जल संरचनाओं का निर्माण कर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया गया। प्रदेश में पिछले दो वर्षों में जल संरक्षण के लिए 2 लाख 79 हजार से अधिक जल संरचनाएं बनाई गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश 250 से अधिक नदियों का मायका है। नदियों के उद्गम स्थलों की साफ-सफाई तथा पौधारोपण का अभियान भी शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चंबल नदी से यमुना और सोन नदी से गंगा को जल शक्ति मिलती है। प्रदेश की नदियों में जल संचय का प्रमुख स्रोत वन हैं, इसलिए वनों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 19 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया जाएगा। सभी कलेक्टर कार्ययोजना बनाकर जल संरक्षण के कार्यों को गति दें, ताकि मध्यप्रदेश को जल संरक्षण के क्षेत्र में देश में प्रथम स्थान दिलाया जा सके। उन्होंने नहरों की सफाई, हैंडपंपों में रिचार्ज पिट तथा प्रत्येक पक्के भवन में वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जल शक्ति विभाग के सचिव बी.एल. कांता राव ने जल गंगा जनभागीदारी अभियान की उपलब्धियों एवं मध्यप्रदेश में किए गए कार्यों की जानकारी दी। अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश राजौरा ने जल गंगा संवर्धन अभियान की तैयारियों, कार्ययोजना तथा गत वर्ष की उपलब्धियों का प्रस्तुतिकरण दिया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में खण्डवा, राजगढ़ और इंदौर जिलों की उपलब्धियों को भी प्रस्तुत किया गया। बैठक में ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी केन्द्र से कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, डीएफओ प्रीति अहिरवार एवं अन्य अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल हुए।

## होली मिलन कार्यक्रम के दौरान मंच टूटा, भाजपा जिला अध्यक्ष समेत कई लोग नीचे गिरे

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।** सिंगरौली के बैढ़न स्थित राजमाता चुन कुमारी स्टेडियम के सामने आयोजित होली मिलन कार्यक्रम के दौरान बुधवार को अचानक मंच टूट गया। घटना का वीडियो आज गुरुवार को सामने आया है। इस घटना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिला अध्यक्ष सुंदरलाल शाह समेत मंच पर मौजूद कई लोग नीचे गिर गए। हालांकि, किसी को गंभीर चोट नहीं आई और सभी लोग तुरंत सुरक्षित खड़े हो गए।

**मंच का एक हिस्सा टूटकर नीचे गिरा:** मंच पर सुंदरलाल शाह माइक लेकर उपस्थित लोगों को होली की शुभकामनाएं देने के लिए आगे बढ़ रहे थे, तभी मंच का एक हिस्सा टूट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंच पर एक साथ अधिक लोगों के चढ़ जाने से उसका संतुलन बिगड़ गया और वह ढह गया। घटना के समय वहां बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, जिससे कुछ देर के लिए हलचल मची, लेकिन जल्द ही स्थिति सामान्य हो गई।

**हादसे में किसी को गंभीर चोटें नहीं आईं:** इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि मंच के ढहने के बाद लोग एक-दूसरे को संभालते हुए नीचे गिरते हैं, लेकिन किसी को गंभीर चोट नहीं आई। यह घटना एक चेतावनी के रूप में सामने आई है कि सार्वजनिक कार्यक्रमों में मंच और अन्य व्यवस्थाओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

# बाइक-स्कूटी की भिड़ंत, 2 युवक गंभीर घायल; चुरहट अस्पताल में भर्ती

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** जिले के चुरहट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बड़खरा में गुरुवार सुबह एक सड़क हादसे में बाइक और स्कूटी की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में दोनों वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चुरहट में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम बड़खरा निवासी मनोज साकेत और इसी गांव के लाल साकेत अपने-अपने दोपहिया वाहनों से जा रहे थे। गांव के पास एक मोड़ पर दोनों वाहनों की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों चालक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो गए।

ग्रामीण कृष्णप्रताप सिंह ने बताया कि दोनों वाहन तेज रफ्तार में थे। सड़क पर मोड़ होने के कारण चालक एक-दूसरे को समय पर देख नहीं पाए, जिससे अचानक भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद आसपास मौजूद ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और निजी वाहन की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

चुरहट अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर पीढ़िया ने बताया कि दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया है। उनके सिर, हाथ और पैरों में चोटें आई हैं। घावों की मलहम-पट्टी कर दी गई है और अंदरूनी चोटों का पता लगाने के लिए एक्स-रे कराने की सलाह दी गई है।

यह दुर्घटना गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे हुई बताई जा रही है। घटना की जानकारी घायलों के परिजनों को भी दे दी गई है, जो जल्द ही अस्पताल पहुंच रहे हैं।

# NSUI ने लेबर ऑफिसर को सौंपा ज्ञापन, आरोप- कॉलेज के भवन निर्माण में श्रम कानून का उल्लंघन हो रहा

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** जिले के संजय गांधी महाविद्यालय में बन रहे नए भवन के निर्माण कार्य में श्रम कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगा है। एनएसयूआई ने मजदूरों की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर श्रम विभाग को ज्ञापन सौंपा है, जिसमें जांच और कार्रवाई की मांग की गई है। एनएसयूआई के प्रदेश सचिव विक्रांत सिंह परिहार ने गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे असिस्टेंट लेबर ऑफिसर आकांक्षा पाठक को आवेदन पत्र सौंपते हुए बताया कि निर्माण स्थल पर मजदूरों के साथ गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्य के दौरान मजदूरों को हेलमेट या सुरक्षा जूते जैसे कोई सेफ्टी इक्विपमेंट उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। परिहार ने बताया कि सुरक्षा उपकरणों की कमी के कारण कई मजदूर चोटिल हो चुके हैं। कुछ मामलों में मजदूरों के पैरों में चोटें आई हैं, जबकि कुछ को सिर में भी गंभीर चोटें लगी हैं। इसके बावजूद, प्रबंधन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

विक्रांत सिंह परिहार ने यह भी आरोप लगाया कि मजदूरों से लगभग 13 घंटे तक लगातार काम कराया जाता है, जो श्रम कानूनों का सीधा उल्लंघन है। इसके अतिरिक्त, मजदूरों को समय पर वेतन नहीं दिया जाता और भुगतान नकद में किया जाता है, जिससे उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। निर्माण स्थल पर मजदूरों के लिए पीने के पानी की समुचित व्यवस्था नहीं है और न ही उनके रहने की कोई सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस संबंध में मजदूरों और स्थानीय लोगों द्वारा प्रबंधन से शिकायतें भी की गई थीं, लेकिन उन पर कोई सुनवाई नहीं हुई। इस पूरे मामले में असिस्टेंट लेबर ऑफिसर आकांक्षा पाठक ने बताया कि उन्हें आवेदन प्राप्त हुआ है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की जांच की जाएगी और यदि श्रम कानूनों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि मजदूरों की सुरक्षा और उनके अधिकारों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

## कोतवाली परिसर में शराबी युवक ने किया हंगामा, पुलिसकर्मियों से गाली-गलौज और धक्का-मुक्की; शिकायत करने पहुंचा था

**सिंगरौली, निप्र।** जिले के बैढ़न कोतवाली परिसर में बुधवार देर रात एक शराबी युवक ने हंगामा किया। युवक ने थाना परिसर के अंदर पुलिसकर्मियों से बहस की और गाली-गलौज की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। जानकारी के अनुसार, युवक देर रात किसी शिकायत को लेकर बैढ़न कोतवाली पहुंचा था। वह शराब के नशे में था और अपनी बात स्पष्ट रूप से नहीं बता पा रहा था। वीडियो में युवक पुलिसकर्मियों से बहस करते हुए और धक्का-मुक्की करते हुए दिख रहा है। वह चिल्ला रहा था कि उसकी रिपोर्ट दर्ज की जाए। इसके बाद वह गुस्से में थाना परिसर से बाहर निकल गया।

## खाड़ी देशों में रह रहे मध्यप्रदेश के निवासियों की सहायता हेतु मध्यप्रदेश भवन, नई दिल्ली में 24*7 कंट्रोल रूम स्थापित

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्तमान अप्रत्याशित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए खाड़ी देशों में निवासरत मध्यप्रदेश के नागरिकों की सहायता के उद्देश्य से मध्यप्रदेश भवन, नई दिल्ली में 24ग 7 कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। यह कंट्रोल रूम खाड़ी देशों में अध्ययन, रोजगार, व्यवसाय, पर्यटन अथवा अन्य कारणों से रह रहे प्रदेशवासियों को आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करेगा। किसी भी प्रकार की आपात अथवा सामान्य सहायता की आवश्यकता होने पर संबंधित व्यक्ति अथवा उनके परिजन कंट्रोल रूम से संपर्क कर सकते हैं।

## हाथी 'भरत' और हथिनी की सीधी में वापसी, पटपरा में 13 एकड़ फसल तबाह; वन विभाग ट्रैकिंग में जुटा

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** जिले में एक बार फिर हाथियों के प्रवेश से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। बुधवार शाम बांधवगढ़ से लौटे हाथी 'भरत' और एक हथिनी ने कमर्जी थाना क्षेत्र के ग्राम पटपरा में घुसकर फसलों को नुकसान पहुंचाया। ये हाथी 12 दिन तक उत्पात मचाने के बाद मऊगंज की सीमा की ओर चले गए थे, लेकिन अब सीधी जिले में लौट आए हैं।

**हाथियों ने 13 एकड़ फसल रौंदी, किसान परेशान:** ग्रामीण प्रशांत पटेल ने बताया कि उनके दो एकड़ खेत में लगी गेहूं की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। उनके गांव में हाथियों के कारण अब तक लगभग 13 एकड़ फसल नष्ट हो चुकी है। हाथी जहां-जहां से गुजर रहे हैं, वहां खड़ी फसल को रौंदते हुए आगे बढ़ रहे हैं। फिलहाल दोनों हाथी नहर किनारे के इलाके में देखे गए हैं और धीरे-धीरे जिले के दूसरे छोर की ओर बढ़ रहे हैं।

**ट्रैकिंग कॉलर से हाथियों की निगरानी:** वनरक्षक विष्णु पांडे ने जानकारी दी कि वन विभाग की टीम लगातार हाथियों की निगरानी कर रही है। एक हाथी के गले में ट्रैकिंग कॉलर लगाया गया है, जिसकी मदद से उनकी लोकेशन पर नजर रखी जा रही है। विभाग का प्रयास है कि हाथियों को सुरक्षित रूप से घने जंगलों की ओर मोड़ दिया जाए, ताकि रिहायशी इलाकों में किसी प्रकार की जनहानि न हो।

**हाथियों को हटाने और किसानों को मुआवजा देने की मांग:** इस बीच, शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष ने प्रशासन से मांग की है कि हाथियों को जल्द सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाए।

# पचोर पुलिस लाइन में एसपी-कलेक्टर ने मनाई होली

## पुलिसकर्मियों ने रंग-गुलाल लगाकर दीं शुभकामनाएं; बच्चों ने भी जमकर खेली होली

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।** जिले के पचोर स्थित पुलिस लाइन में गुरुवार को पुलिसकर्मियों ने रंगों का त्योहार होली धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे, जिन्होंने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में सिंगरौली पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री और कलेक्टर गौरव बैनल भी शामिल हुए। दोनों अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों के साथ होली खेली और पर्व की बधाई दी। पुलिस लाइन परिसर में ढोल-नगाड़ों और संगीत की धुन पर पुलिसकर्मियों ने जमकर रंग-गुलाल उड़ाया।

**पुलिस लाइन में पानी के पूल संग खेली होली:** इस आयोजन को विशेष बनाने के लिए पुलिस लाइन परिसर में एक छोटा पानी का पूल भी तैयार किया गया था। यहां पुलिस अधिकारी और जवान पानी के साथ रंगों की होली खेलते दिखे, जिससे त्योहार का उत्साह और बढ़ गया।

**पुलिस लाइन में बच्चों के लिए खास होली आयोजन:** इस साल पुलिस लाइन में एक नई पहल की गई। पुलिसकर्मियों के बच्चों के लिए होली खेलने के विशेष इंतजाम किए गए थे। बच्चों के लिए सुरक्षित रंगों और मनोरंजन के अलग-अलग प्रबंध किए गए, जिससे पूरा माहौल पारिवारिक और खुशनुमा बन गया। अधिकारियों ने इस अवसर पर कहा कि होली आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है। ऐसे आयोजन पुलिस परिवार को एकजुट करने और उनके आपसी संबंधों को मजबूत बनाने में सहायक होते हैं।

## जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से होगा शुरू, अभियान में परंपरागत जल स्रोतों का होगा जीर्णोद्धार

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से प्रारंभ होगा। अभियान के अंतर्गत गत वर्ष की कार्ययोजना में शामिल सभी अधूरे कार्यों को पूर्ण कराया जाए। साथ ही नए जल संरक्षण कार्यों के साथ परंपरागत जल स्रोतों का जीर्णोद्धार भी कराया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जल संरक्षण के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए तथा अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों में जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। सभी कलेक्टर अभियान की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें, जिसमें गांव का पानी गांव में और खेत का पानी खेत में सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक जल संरक्षण कार्य शामिल हों। उन्होंने कहा कि नदियों के उद्गम स्थलों तथा जलाशयों की साफ-सफाई और उनके कैचमेंट एरिया से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तत्परता से की जाए। चंबल, नर्मदा और क्षिप्रा नदियों के उद्गम स्थलों पर जल संरक्षण से संबंधित विशेष आयोजन भी किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में विभिन्न विभागों को शामिल किया गया है, इसलिए सभी विभाग समन्वय बनाकर जल संवर्धन और संरक्षण के कार्य करें। जल शक्ति मंत्रालय के पोर्टल पर जल संरक्षण से जुड़े कार्यों की जानकारी अपलोड की जाए। नहरों की सफाई, बांधों के कटाव को रोकने तथा पौधरोपण के कार्य अनिवार्य रूप से कराए जाएं।

उन्होंने निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी केन्द्र भवन सहित सभी शासकीय भवनों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जाएं। जनजागरूकता के लिए जल रैली, प्रभात फेरी और जल परिक्रमा जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। सभी कलेक्टर 16 मार्च तक जिला स्तरीय बैठक आयोजित कर अभियान की कार्ययोजना तैयार करें तथा इसमें जनप्रतिनिधियों और स्वयंसेवी संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्यमंत्री ने संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत प्राप्त सभी आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कलेक्टर जिला स्तरीय शिविरों का शीघ्र आयोजन कराएं। यदि खाड़ी देशों में युद्ध जैसी स्थिति के कारण मध्यप्रदेश का कोई निवासी फंसा है तो उसे हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। इसके लिए जारी हेल्पलाइन एवं कंट्रोल रूम नंबरों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। मुख्यमंत्री ने समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की तैयारियां समय पर पूर्ण करने, स्कूलों एवं छात्रावासों का निरीक्षण करने तथा अगले शिक्षण सत्र की तैयारियां प्रारंभ कराने के निर्देश भी दिए। विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों के लिए उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वर्तमान वर्ष को कृषि वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, इसलिए कृषि क्षेत्र की उपलब्धियों को प्रमुख कार्यक्रमों एवं समारोहों में प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित किया जाए। साथ ही शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समुचित आपूर्ति के लिए तत्काल कार्ययोजना बनाकर हर बसाहट में पेयजल उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी केन्द्र से कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, डीएफओ प्रीति अहिरवार तथा अन्य अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल हुए।

# मंत्री राधा सिंह के निवास पर होली का उल्लास, पारंपरिक अंदाज में ढोल-नगाड़ों पर थिरकीं; जनप्रतिनिधियों-अधिकारियों संग खेली होली

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।** जिले के चितरंगी में पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राधा सिंह के निवास पर 'होली मिलन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उत्सव में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और प्रशासनिक अधिकारियों ने शिरकत की। रंगों के इस महापर्व पर मंत्री के निवास पर दिनभर उत्साह और उमंग का माहौल रहा।

**पारंपरिक वेशभूषा और लोक संस्कृति का दिखा संगम:** राज्य मंत्री राधा सिंह स्वयं पारंपरिक वेशभूषा में नजर आईं। उन्होंने कार्यकर्ताओं और परिवार के सदस्यों के साथ अबीर-गुलाल लगाकर खुशियां बांटीं। उत्सव के दौरान जब ढोल-नगाड़े बजे, तो मंत्री स्वयं को रोक नहीं पाईं और उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ जमकर ठुमके भी लगाए। उनके इस सहज और मिलनसार अंदाज ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का उत्साह दोगुना कर दिया।

**भाईचारे और एकता का संदेश दिया:** उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मंत्री राधा सिंह ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम, स्नेह और सद्भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें आपसी मनमुटाव भुलाकर भाईचारे की डोर को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों से सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने की अपील की।

**प्रशासनिक अधिकारी रहे उपस्थित:** होली मिलन समारोह में चितरंगी तहसीलदार ऋषि नारायण सिंह, टीआई सुधेश तिवारी और भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य वीरेंद्र गोयल सहित कई वरिष्ठ नेता व अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान तहसीलदार ऋषि नारायण सिंह, टीआई सुधेश तिवारी, वीरेंद्र गोयल (प्रदेश कार्यसमिति सदस्य) के साथ जिला व ब्लॉक स्तर के भाजपा पदाधिकारी और आमजन उपस्थित रहे।

# रंग और उमंग का उत्सव

संपादकीय

मन में उल्लास का भाव उमड़ते ही होली की उमंग तन-मन को प्रफुल्लित कर देती है। होली सबको संकोच त्यागकर आनंद और उमंग में सराबोर होने का आमंत्रण देती है। इस आमंत्रण को हंसी-ठिठोली, रंग-गुलाल के साथ सभी सहर्ष स्वीकार करें, इस अपेक्षा के साथ होली की रंगारंग शुभकामनाएं।

भारत प्राचीन और समृद्ध संस्कृति में पगा पर्वों का भी देश है। प्रकृति में परिवर्तन की झलक मिलने के साथ ही हम भारतीय किसी न किसी उत्सव की प्रतीक्षा करते दिखते हैं। यह प्रतीक्षा इसलिए रहती है, क्योंकि अलग-अलग अवसरों पर भिन्न-भिन्न तरीके से मनाए जाने वाले पर्व एक ओर जहां हमें अपनी प्राचीन संस्कृति, परंपराओं और जड़ों से परिचित कराते हैं, वहीं जीवन की एकरसता को भी तोड़ते हैं।

वैसे तो यह काम सभी त्योहार करते हैं, लेकिन जिस अनूठे तरीके से होली करती है, उसका कोई जोड़ नहीं और इसी कारण यह उत्सव सबसे अलग ढंग से लोगों को आनंदित एवं उल्लासित करता है। केवल उल्लास और आनंद ही होली का प्रधान तत्व नहीं है, इसी के साथ यह सबको अपनत्व के रंगों से सराबोर करने वाला भी त्योहार है। इस अवसर पर ऊंच-नीच, अमीर-गरीब, अपने-पराए का भेद तो मिटता ही है, खुद खुश होने और औरों को खुशियां देने का भाव भी जगता है। यह मतभेद भी मिटाता है और मनभेद भी। यह मनुष्य का स्वभाव है कि उसकी प्रसन्नता तब और बढ़ती है, जब वह दूसरों को प्रसन्न करने का अवसर प्राप्त करता है। होली यह अवसर सबको सहज रूप से प्रदान करती है।

होली यह रेखांकित करती है कि यदि जीवन में आनंद का संचार करना है तो एकरसता को तोड़ना ही होगा। एक दिन के लिए ही सही, एकरसता की टूटन जीवन की यांत्रिकता और उसकी कृत्रिमता को भंग करती है और उसमें उमंग भरती है, जो मनुष्य को एक नई ऊर्जा प्रदान करती है।

होली केवल एक-दूसरे को गले लगाने का ही नहीं, बल्कि मन का मैल मिटाने का त्योहार है। वैसे तो होली रंगों का त्योहार है, लेकिन इन रंगों में नाना प्रकार की परंपराओं की छटा भी देखने को मिलती है। होली पर देश भर में एक जैसा रंग, अबीर-गुलाल उड़ता है और इस अवसर पर कुछ सदा सुनाई देने वाले गीत हर जगह गूंजते हैं, लेकिन इसी के साथ लगभग हर प्रांत में खान-पान, रीति-रिवाजों, गायन-वादन की भिन्नता भी देखने को मिलती है।

यह यही बताती है कि भारत के कोने-कोने में होली के रूप भले भिन्न हों, पर भाव एक है। यह भाव यही संदेश देता है कि भारत किस तरह एकता में अनेकता को समाहित करने वाला

## झूठ पर गढ़े गए युद्ध के निराधार और भ्रामक दावे

डॉ हिदायत अहमद खान

बातचीत के दौरान एक झूठ का सहारा लेकर इजराइल और अमेरिका ने जिस तरह से ईरान पर हमला किया, उसी वक्त तनाव के बीच का संघर्ष मानों बेलगाम युद्ध में तब्दील हो गया। अब पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध केवल मिसाइलों और बमों तक सीमित नहीं रह गया है, इसके समानांतर एक और खतरनाक युद्ध लड़ा जा रहा है, वह है सूचना और दुष्प्रचार की जंग। जब युद्ध के मैदान में धुआँ उठता है, तब अक्सर सच्चाई धुंध में छिप जाती है और अफवाहें, आधे-अधूरे तथ्य तथा झूठी खबरें जंगल में लगी आग की तरह तेजी से फैलने लगती हैं। भीड़ या समूह को भड़काने में इसका बेजा इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल हाल ही में एक अमेरिकी समाचार चैनल द्वारा यह दावा किया गया कि ईरान पर हमले के लिए अमेरिकी नौसेना भारतीय बंदरगाहों का उपयोग कर रही है। भारत के विदेश मंत्रालय ने तुरंत इस खबर का खंडन करते हुए इसे पूरी तरह झूठा और निराधार बताया। यह घटना बताती है कि युद्ध के समय भ्रामक सूचनाएँ किस प्रकार देशों के बीच अनावश्यक तनाव पैदा कर सकती हैं। दरअसल, अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता संघर्ष पहले ही बेहद संवेदनशील मोड़ पर पहुंच चुका है। हजारों लोगों की जान जा चुकी है और युद्धविराम की संभावना फिलहाल दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। ऐसे माहौल में अगर किसी तीसरे देश को बिना किसी प्रमाण के युद्ध से जोड़ दिया जाए, तो उसके गंभीर कूटनीतिक और रणनीतिक परिणाम हो सकते हैं। भारत के संदर्भ में यह और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत लंबे समय से पश्चिम एशिया में संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति अपनाता रहा है। भारत के ईरान, इजरायल और अमेरिका तीनों ही देशों से महत्वपूर्ण संबंध हैं। ऐसे में इस प्रकार के निराधार दावे भारत की तटस्थ और संतुलित नीति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास भी हो सकते हैं। खासतौर पर तब जबकि ईरान पर हमले से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजराइल दौरे को लेकर तरह-तरह के भ्रामक दावे किए गए, बाद में इस पर भी स्पष्टीकरण आया और सभी दावे अफवाहें साबित हो गए। बहरहाल युद्ध के दौरान दुष्प्रचार का इस्तेमाल करना कोई नई बात नहीं है। इतिहास गवाह है कि युद्ध के समय प्रचार और मनोवैज्ञानिक रणनीतियाँ सैन्य हथियारों जितनी ही महत्वपूर्ण मानी जाती रही हैं। आज डिजिटल युग में यह प्रवृत्ति और अधिक खतरनाक हो गई है, क्योंकि सोशल मीडिया और 24 घंटे चलने वाले कुछ समाचार चैनलों के कारण गलत जानकारी पलक झपकते ही दुनिया भर में फैल जाती है। कई बार तो ये खबरें बिना तथ्य के जांचे-परखे प्रसारित कर दी जाती हैं, जिससे भ्रम और अविश्वास का माहौल बन जाता है।

वर्तमान संघर्ष के संदर्भ में भी यही स्थिति दिखाई दे रही है। अमेरिकी नेतृत्व ने दावा किया है कि उसके सैन्य अभियान ने ईरान की सैन्य क्षमता को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है और ईरान द्वारा किए जा रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों में भारी कमी आई है। वहीं दूसरी ओर ईरान भी लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है और क्षेत्र में तनाव बढ़ता जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य में सच्चाई का सही आकलन करना कठिन हो गया है, क्योंकि हर पक्ष अपनी-अपनी रणनीतिक कथा प्रस्तुत कर रहा है। इस युद्ध के व्यापक भू-राजनीतिक प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। पश्चिम एशिया की अस्थिरता का असर वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है। ऊर्जा आपूर्ति, तेल और गैस के व्यापार तथा समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ रही है। चीन और रूस जैसे देश भी इस स्थिति को लेकर सतर्क दिखाई दे रहे हैं। चीन द्वारा रक्षा बजट में वृद्धि का निर्णय इसी व्यापक रणनीतिक अस्थिरता की ओर संकेत करता है। इसका अर्थ तो यही हुआ कि यह संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं रहा, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करने की क्षमता रखता है। अमेरिका के भीतर भी इस युद्ध को लेकर बहस तेज हो गई है। एक तरफ कुछ आलोचकों का मानना है कि बिना कांग्रेस की अनुमति के सैन्य कार्रवाई करना संवैधानिक सीमाओं को चुनौती देने जैसा है, वहीं दूसरी तरफ कुछ ने इसे सही कदम बताया है। यह विवाद दर्शाता है कि आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में युद्ध केवल सैन्य या कूटनीतिक मुद्दा नहीं होता, बल्कि राजनीतिक और कानूनी विमर्श का भी विषय बन जाता है।

## राज्यसभा चुनाव 2026: बदलते समीकरण, नंबर गेम और बिहार की पांचवीं सीट पर सियासी शतरंज

**साल 2026 का राज्यसभा चुनाव भारतीय राजनीति के लिए केवल नियमित संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि शक्ति संतुलन के पुनर्निर्धारण का वर्ष साबित हो सकता है। राज्यसभा की कुल 245 सीटों में से लगभग 72 से 75 सीटें वर्षभर में विभिन्न चरणों में रिक्त हो रही हैं। मार्च में 37 सीटों पर चुनाव प्रस्तावित हैं, जबकि शेष सीटों पर अप्रैल, जून, जुलाई और नवंबर में चुनाव होंगे। इन चुनावों का सीधा असर केंद्र की विधायी रणनीति और विपक्ष की प्रभावशीलता पर पड़ेगा, क्योंकि उच्च सदन में बहुमत का समीकरण कई महत्वपूर्ण विधेयकों की दिशा तय करता है।**

कांतिलाल मांडोत

फरवरी 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सदन में भाजपा के पास 103 सीटें, कांग्रेस के पास 27, तृणमूल कांग्रेस के 12, आम आदमी पार्टी के 10, द्रमुक के 10, बीजद के 7, वाईएसआरसीपी के 5 और अन्नाद्रमुक के 7 सदस्य हैं। सात सदस्य नामित श्रेणी में हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की कुल ताकत लगभग 121 के आसपास मानी जा रही है, जबकि विपक्षी इंडिया ब्लॉक करीब 80 सीटों के साथ मौजूद है। मौजूदा विधानसभा संरचनाओं को देखते हुए अनुमान है कि एनडीए को 7 से 9 सीटों का शुद्ध लाभ मिल सकता है, जिससे उसकी संख्या 140 के पार जा सकती है। इसके विपरीत, विपक्षी गठबंधन को लगभग पांच सीटों का नुकसान संभव है।

मार्च में जिन 37 सीटों पर चुनाव होंगे, वे महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना से संबंधित हैं। इन राज्यों की विधानसभा संरचना ही परिणामों का आधार बनेगी। राज्यसभा के चुनाव प्रत्यक्ष जनमत से नहीं, बल्कि निर्वाचित विधायकों के वोट से होते हैं। प्रत्येक राज्य में सीटों की संख्या और विधायकों की कुल संख्या के आधार पर 'कोटा' तय किया जाता है। सूत्र है—कुल विधायक संख्या को (सीटें + 1) से भाग देकर उसमें एक जोड़ दिया जाता है। यही न्यूनतम मत संख्या है, जो किसी उम्मीदवार को प्रथम वरीयता के आधार पर जीत के लिए चाहिए।

बिहार का उदाहरण इस गणित को स्पष्ट करता है। वहां विधानसभा में 243 सदस्य हैं और इस चरण में पांच सीटों पर चुनाव होना है। सूत्र के अनुसार 243 को 6 से भाग देने पर 40.5 आता है, उसमें एक जोड़ने पर कोटा 41.5 बनता है, जिसे व्यावहारिक रूप से 42 माना जाता है। एनडीए के पास 202 विधायक हैं। इस आधार पर वह चार सीटें सहजता से जीत सकता है, क्योंकि 202 को 42 से भाग देने पर चार पूर्ण कोटे बनते हैं। इसके बाद उसके पास 38 वोट शेष रहते हैं। पांचवीं सीट के लिए उसे कम से कम तीन अतिरिक्त विधायकों का समर्थन चाहिए। यही वह बिंदु है, जहां सियासी रणनीति और क्रॉस वोटिंग की संभावनाएं अहम हो जाती हैं।

बिहार में एनडीए के घटक दलों में भाजपा के 89 और जदयू के 85 विधायक हैं। इसके अतिरिक्त लोजपा (रामविलास), हम और अन्य सहयोगियों को मिलाकर संख्या 202 तक पहुंचती है। दूसरी ओर महागठबंधन में राजद के 25, कांग्रेस के 6 और वामदलों के तीन विधायक हैं। इनके अलावा पांच विधायक एआईएमआईएम और एक विधायक बसपा का है, जो किसी खेमे में औपचारिक रूप से शामिल नहीं हैं। महागठबंधन की कुल संख्या 35 है, जो एक सीट के लिए भी पर्याप्त नहीं। यदि विपक्ष एआईएमआईएम और बसपा का समर्थन जुटा ले, तब भी उसे कोटा पूरा करने के लिए अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता रहेगी। इसीलिए बिहार में पांचवीं सीट का मुकाबला केवल गणित नहीं, बल्कि राजनीतिक विश्वास और रणनीतिक तालमेल का प्रश्न बन गया है।

एनडीए की रणनीति स्पष्ट है कि वह चार सुनिश्चित सीटों के बाद पांचवीं पर भी दांव लगाए। इसके लिए बसपा के विधायक, महागठबंधन से जुड़े कुछ असंतुष्ट चेहरों या निर्दलीय समर्थन पर नजर है। वहीं विपक्ष भी यह समझता है कि यदि वह एकजुट होकर एक ही उम्मीदवार उतारे और अतिरिक्त समर्थन सुनिश्चित करे तो मुकाबला दिलचस्प हो सकता है। किंतु यदि विपक्षी खेमे से एक से अधिक प्रत्याशी मैदान में आते हैं, तो प्रथम वरीयता के वोटों के बंटवारे से एनडीए को लाभ मिल सकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर भी यही गणित कई राज्यों में दोहराया जा रहा है। महाराष्ट्र में हालिया विधानसभा परिणामों ने एनडीए को बढ़त दी है, जिससे वहां अतिरिक्त सीट मिलने की संभावना है। ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भी क्षेत्रीय दलों की बदली ताकत का असर दिख सकता है। गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में विधानसभा में भाजपा की स्थिति मजबूत होने से विपक्ष की सीटें घट सकती हैं। कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में सीमित नुकसान की आशंका भी जताई जा रही है, परंतु कुल मिलाकर संतुलन एनडीए के पक्ष में झुकता दिखाई देता है।

इन चुनावों का एक मानवीय और प्रतीकात्मक पहलू भी है। कई वरिष्ठ नेताओं का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। कुछ के लिए पुनर्निर्वाचन कठिन प्रतीत हो रहा है, क्योंकि उनकी पार्टियों की विधानसभा शक्ति घटी है। राज्यसभा अक्सर उन नेताओं के लिए मंच रही है जो प्रत्यक्ष चुनाव नहीं लड़ते, किंतु राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय रहते हैं। यदि विधानसभा गणित अनुकूल न रहा, तो कई अनुभवी चेहरों की वापसी असंभव हो सकती है। यह बदलाव केवल संख्या का नहीं, बल्कि संसदीय विमर्श की दिशा का भी संकेत होगा।

सत्य आकलन यह दर्शाता है कि राज्यसभा का चुनाव पूर्णतः अंकगणितीय प्रक्रिया है, किंतु राजनीति इसे जीवंत बना देती है। जहां संख्या स्पष्ट है, वहां परिणाम लगभग तय होते हैं; जहां अंतर कम है, वहां रणनीति निर्णायक हो जाती है। 2026 का परिदृश्य बताता है कि एनडीए अपनी बढ़त को और मजबूत करने की स्थिति में है, जबकि विपक्ष को समन्वित रणनीति और आंतरिक एकता पर अधिक ध्यान देना होगा। विशेषकर बिहार जैसे राज्यों में पांचवीं सीट का संघर्ष यह सिद्ध करेगा कि भारतीय संसदीय राजनीति में एक-एक विधायक का महत्व कितना अधिक है।

अंततः, राज्यसभा के ये चुनाव केंद्र सरकार की विधायी क्षमता, विपक्ष की प्रतिरोध शक्ति और क्षेत्रीय दलों की सौदेबाजी क्षमता—तीनों को प्रभावित करेंगे। यदि अनुमान सही साबित होते हैं और एनडीए 145 के आसपास पहुंचता है, तो उच्च सदन में उसकी स्थिति पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ होगी। इसके विपरीत, विपक्ष को अपनी राजनीतिक रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ेगा। इस प्रकार 2026 का राज्यसभा चुनाव केवल सीटों का फेरबदल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के अगले अध्याय की प्रस्तावना है।

## प्रकृति और विकास का संतुलन : डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शी पहल

लेखकः प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश

भारत की सनातन सांस्कृतिक परंपरा में प्रकृति को केवल उपभोग का संसाधन नहीं, अपितु जीवन का अविभाज्य आधार माना गया है। देश के हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश ने अपनी समृद्ध जैव-विविधता और प्रभावी प्रबंधन के बल पर टाइगर स्टेट, 'लेपर्ड स्टेट' और 'चीता स्टेट' के गौरवशाली खिताब हासिल करने के साथ वैश्विक मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान स्थापित की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने विकास भी और संरक्षण भी के मंत्र को आत्मसात करते हुए पारिस्थितिकीय संतुलन की दिशा में क्रांतिकारी पहल की है। माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर सशक्त कर रहा है। राज्य के कान्हा, बांधवगढ़ और पेंच जैसे अनेक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय उद्यान, सेंचुरी न केवल पर्यटन के केंद्र हैं, वन्यजीव अध्ययन शालाएं है, बल्कि जैव-विविधता के जीवंत प्रतीक भी हैं। इन संरक्षित क्षेत्रों में आवास सुधार, जलस्रोतों के पुनर्जीवन और शिकार-रोधी तंत्र को आधुनिक तकनीक से सुदृढ़ किया गया है। आज ड्रोन निगरानी, कैमरा ट्रैप और ई-गश्त प्रणाली ने वनों की सुरक्षा को अधिक प्रभावी और वैज्ञानिक बना दिया है। वनों के पुनर्जीवन के इन व्यापक प्रयासों ने यह सिद्ध किया है कि एक सुविचारित संरक्षण नीति ही दीर्घकालिक परिणाम दे सकती है। इसी कड़ी में, कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीता पुनर्वास परियोजना की सफलता ने राज्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है। यह केवल एक प्रजाति के पुनर्स्थापन का प्रयास नहीं, बल्कि घासभूमि पारिस्थितिकी तंत्र, के पुनर्जीवन तथा जंगल पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ स्थानीय समुदायों के लिए इको-टूरिज्म आधारित रोजगार सृजन का एक सफल मॉडल बनकर उभरा है।उस समय खुशी कई गुना हो जाती है जब खबर मिलती

है कि कूनो नेशनल पार्क को विदेशी चीतों ने अपना घर स्वीकार करते हुए वंश वृद्धि प्रारंभ कर दी है तथा जंगली उल्लू की एक प्रजाति जो 113 वर्षों से नहीं दिख रही थी, दिखाई देती है।इतना ही नहीं जैव-विविधता संरक्षण की इसी श्रृंखला में एक मील का पत्थर रायसेन जिले के हलाली बांध क्षेत्र में देखा गया, जहाँ मुख्यमंत्री ने दुर्लभ भारतीय और सिनेरियस गिद्धों को उनके प्राकृतिक आवास में मुक्त किया। यह पहल न केवल गिद्ध संरक्षण कार्यक्रम को नई गति देती है, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र में मृत जीवों के प्राकृतिक अपघटन और स्वच्छता संतुलन को भी सुदृढ़ करती है। वर्तमान में मध्यप्रदेश गिद्धों की जनसंख्या में भी देश में अग्रणी स्थान पर है, जो राज्य के सतत प्रयासों की सफलता को प्रमाणित करता है। इसके साथ ही, ग्राम स्तर पर पीपुल्स बायोडायवर्सिटी रजिस्टर तैयार कर स्थानीय ज्ञान और संसाधनों के संरक्षण को संस्थागत आधार दिया जा रहा है। डॉ. मोहन यादव का मानना है कि वन्यजीवों की रक्षा केवल एक प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा नैतिक कर्तव्य भी है। जब समाज, शासन और स्थानीय समुदाय एक साथ कार्य करते हैं, तभी प्रकृति और विकास का वास्तविक संतुलन स्थापित होता है। एक पेड़ माँ के नाम जैसे अभियानों ने पर्यावरणीय चेतना को एक जनांदोलन का रूप दिया है। इसके साथ ही, प्राकृतिक खेती, देशी बीज संरक्षण और जैविक कृषि को प्रोत्साहन देकर कृषि जैव-विविधता को सुरक्षित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। इससे न केवल किसानों की लागत कम हुई है, बल्कि भूमि की उर्वरता और पर्यावरणीय स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ है।

## बंद होते हवाई अड्डे: हवा हवाई होती हवाई चप्पल वालों की हवाई यात्रा

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में सूरत में पहली बार कहा था कि सरकार का लक्ष्य है कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा करे। मोदी ने अक्टूबर 2025 में नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट उद्घाटन पर भी यही दोहराया कि 2014 से उनका सपना था कि हवाई चप्पल वाला भी हवाई सफ़र करे। बेशक प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य ग़रीबों को हवाई यात्रा मुहैया कराने की सोच को दर्शाता है।इसी मक़सद से उड़ान योजना की शुरुआत की गयी थी UDAN अर्थात उड़े देश का आम नागरिक।**

निर्मल रानी

इस योजना का उद्देश्य छोटे शहरों, टियर-2 और टियर-3 इलाक़ों को हवाई संपर्क से जोड़ना और हवाई यात्रा को सस्ता बनाना था। आंकड़ों के मुताबिक़ 2014 में भारत में लगभग 74 सक्रिय हवाई अड्डे थे जिनकी संख्या 2026 के प्रारंभ तक बढ़कर 160-162 तक हो गयी। इनमें से उड़ान योजना के अंतर्गत एयरपोर्ट, हेलीपोर्ट और वॉटर एयरोड्रोम सहित 93 हवाई अड्डे या तो नए विकसित किये गये या फिर उन्हें पुनर्जीवित किया गया। इनमें से अधिकांश नए या अपग्रेडेड हवाई अड्डे देश के अनेक छोटे शहरों में हैं। गोया कुल मिलाकर गत 10-12 वर्षों में 90 से अधिक नए अथवा सक्रिय हवाई अड्डे जोड़े गए हैं। बताया जा रहा है कि सरकार का लक्ष्य 2047 तक देश भर में 400 से अधिक हवाई अड्डे बनाना है ताकि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा कर सके अर्थात ग़रीबों का सस्ती हवाई यात्रा का सपना साकार किया जा सके।

परंतु पिछले दिनों देश के केवल एक ही राज्य उत्तर प्रदेश से प्राप्त ख़बरों के अनुसार 2021 के बाद उड़ान योजना के अंतर्गत शुरू किये गये 7 नए हवाई अड्डों में से 6 पर नियमित कामर्शियल उड़ानें बंद हो चुकी हैं। धार्मिक पर्यटन के चलते इस समय केवल अयोध्या स्थित महर्षि बाल्मीकि अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा ही सक्रिय है। हालाँकि अयोध्या का यह हवाई अड्डा भी आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा तो ज़रूर घोषित किया गया है परन्तु अंतर्राष्ट्रीय शब्द केवल नाम तक ही सीमित है। वास्तव में अयोध्या का यह महर्षि बाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वर्तमान में केवल भारत के भीतर सीमित घरेलू उड़ानें ही संचालित करता है और अभी तक किसी दूसरे देश के लिए यहाँ से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू नहीं हुई हैं। अलबत्ता यहाँ से संचालित कुछ स्वदेशी मार्गों जैसे कोलकाता, पटना आदि की उड़ानें भी अस्थायी रूप से बंद ज़रूर हो चुकी हैं। केवल उत्तर प्रदेश देश में जिन हवाई अड्डों से उड़ानों का संचालन फ़िलहाल बंद हो चुका है उनमें कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट,आज़मगढ़ एयरपोर्ट,चित्रकूट एयरपोर्ट,श्रावस्ती एयरपोर्ट,मुरादाबाद एयरपोर्ट तथा अलीगढ़ एयरपोर्ट के नाम उल्लेखनीय हैं। इसी तरह पंजाब में पठानकोट व लुधियाना, सिक्किम में पेक्यांग,गुजरात के भावनगर,छत्तीसगढ़ का अंबिकापुर,ओड़ीसा का राउरकेला,मध्य प्रदेश का दतिया,कर्नाटक का कलबुर्गी व हिमाचल के शिमला के हवाई अड्डों के बंद होने की ख़बरें हैं। सैकड़ों करोड़ की लागत से बनाये गये यह हवाई अड्डे कहीं कम पैसेंजर ट्रैफ़िक के कारण अर्थात यात्रियों की कमी के चलते बंद करने पड़े तो कहीं ख़राब दृश्यता , इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम की कमी या एयरलाइंस कंपनियों की संचालन में रुचि न होने के कारण बंद करने पड़े। कहीं पास के बड़े हवाई अड्डों के कारण यात्री न मिलने की वजह से बंद कर दिये गए तो कुछ तकनीकी व इंफ़्रास्ट्रक्चर समस्याओं जैसे छोटे एयरपोर्ट पर हैंगर, फ़्यूल , स्टाफ़ की कमी के कारण भी बंद हुये।

एक अनुमान के अनुसार ष्ठह के अंतर्गत बिना किसी उड़ान के ही इन 15 नॉन-ऑपरेशनल एयरपोर्ट्स के रखरखाव और सिक्योरिटी पर पिछले 8 वर्षों में लगभग 878-900 करोड़ रूपये ख़र्च किये जा चुके हुए हैं जबकि कुल ष्ठह एयरपोर्ट्स के विकास पर 4,600 करोड़ से भी अधिक ख़र्च होने का अनुमान है। परन्तु सरकार को इससे कोई लाभ नहीं हुआ। इसी तरह एयर पोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इण्डिया ढ्ढ के 81 एयरपोर्ट्स पर पिछले 10 वर्षों में 10,853 करोड़ के कुल घाटे का अनुमान है। कहना ग़लत नहीं होगा कि इससे योजना की सफलता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। ऐसे में यह सवाल उठना लाज़िमी है कि क्या बंद होने वाले हवाई अड्डों या घाटे में चलने वाले हवाई अड्डों को शुरू करते समय या इनकी योजना बनाते वक़्त क्या इस बात का सही आंकलन नहीं किया गया कि यह हवाई अड्डे भविष्य में सुचारु रूप से संचालित हो सकेंगे या नहीं ? क्या वजह है कि कल की यह लोकलुभावन योजनायें आज मात्र सफ़ेद हाथी बनकर रह गयी हैं ? एक सवाल यह भी है कि हवाई चप्पल वाले हवाई यात्रा करें जैसी लोकलुभावन बातें कर इस तरह की योजनायें केवल चुनावी लाभ लेने के कारण बनाई गयी थीं ? साथ ही एक सवाल यह भी कि जिस देश में रेल व बस जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं में सुधार की भारी ज़रूरत हो,जहां अभी तक ट्रेन में यात्रियों को समय पर आरक्षित सीटें उपलब्ध न हो पाती हों,हद तो यह है कि अनेक दूरगामी ट्रेन्स में पैर रखने,खड़े होने यहाँ तक कि यात्रियों के डिब्बों में घुस पाने तक की जगह न मिल पाती हो,जहां आज भी यात्री ट्रेन्स में लटककर और अपनी जान को ज़ोखिम में डालकर यात्रा करने को मजबूर हों वहां इस तरह की शर्मसार कर देने वाली सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं में सुधार करने व इन्हें व्यवस्थित करने के बजाये ऐसे नये हवाई अड्डे बनाना जोकि शीघ्र ही बंद भी करने पड़ जायें,क्या ऐसा क़दम जनता के पैसों की बर्बादी नहीं है ? इन सबके अतिरिक्त यह भी माना जा रहा है कि बिना ज़रुरत के नये हवाई अड्डे शुरू करने के पीछे का एक मक़सद इनके संचालन से सत्ता के नज़दीकी समझे जाने वाले उद्योगपतियों व कार्पोरेट्स को आर्थिक लाभ पहुंचाना भी है।

बहरहाल देश में लगातार बंद होते जा रहे नव सांचालित हवाई अड्डे इस निष्कर्ष पर तो पहुँचने के लिये काफ़ी हैं कि हवाई चप्पल वालों को हवाई यात्रा करने का जो लोकलुभावन ढिंढोरा पीटा जा रहा था वह फ़िलहाल हवा हवाई साबित होता जा रहा है।

# मनेंद्रगढ़ में बेटी ने दी मां को मुखाग्नि

## पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष की पत्नी का निधन, रूढ़िवादी परंपरा तोड़कर पेश की नई मिसाल

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** मनेंद्रगढ़ में एक बेटी ने अपनी मां को मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की परंपरागत धारणा को तोड़ दिया। इस कदम को समाज में रूढ़िवादी सोच के खिलाफ एक नई और सकारात्मक मिसाल के रूप में देखा जा रहा है। यह घटना मनेंद्रगढ़ के आमाखेरवा मुक्तिधाम की है। पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष तपन मुखर्जी की पत्नी विजया मुखर्जी का हाल ही में निधन हो गया था। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए मुक्तिधाम लाया गया।

**बेटी तन्वी मुखर्जी ने निभाई अंतिम जिम्मेदारी:** परंपरागत रूप से मुखाग्नि देने की प्रथा पुत्र की ओर से निभाई जाती रही है, लेकिन विजया मुखर्जी की पुत्री तन्वी मुखर्जी ने इस परंपरा को तोड़ते हुए अपनी मां को मुखाग्नि दी। उन्होंने पूरे विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार की सभी रस्में पूरी कीं।

**परिवार और समाज के लोग रहे मौजूद:** अंतिम संस्कार के दौरान मुक्तिधाम में परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और समाज के कई लोग मौजूद रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

**बेटा-बेटी में नहीं कोई फर्क:** समाज में लंबे समय से यह धारणा रही है कि अंतिम संस्कार का अधिकार केवल पुत्र को होता है। हालांकि, तन्वी मुखर्जी के इस कदम ने यह संदेश दिया कि संस्कार और जिम्मेदारियां बेटा-बेटी में कोई भेद नहीं करतीं।

**लोगों ने की पहल की सराहना:** मुक्तिधाम में उपस्थित लोगों ने तन्वी की इस पहल की सराहना की। उनका कहना था कि बेटियां आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और परिवार की हर जिम्मेदारी को समान रूप से निभा रही हैं।

**प्रेरणादायक बना यह उदाहरण:** तन्वी मुखर्जी का यह कदम समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। ऐसे उदाहरण पुरानी सोच को बदलने और समाज में समानता का संदेश देने का काम करते हैं।

# तेज रफ्तार आर्टिका कार सिंधिया छत्री की दीवार से टकराई, एयरबैग खुलने से बड़ा हादसा टला

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** होली के दिन एक तेज रफ्तार आर्टिका कार अनियंत्रित होकर सिंधिया छत्री की दीवार से टकरा गई। यह घटना बुधवार शाम फिजिकल थाना क्षेत्र के भूत पुलिया तिराहे पर हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के एयरबैग खुल गए, जिससे कार सवारों की जान बच गई और बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार, कार ग्वालियर बायपास की ओर से आ रही थी। भूत पुलिया तिराहे पर पहुंचते ही चालक वाहन को मोड़ नहीं सका, और कार सीधे सिंधिया छत्री की दीवार से जा टकराई। टक्कर के प्रभाव से कार के अगले पहिए हवा में लटक गए और दीवार का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया।

घटना के तुरंत बाद, मौके पर मौजूद लोगों ने कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। घायलों को बाद में एक अन्य वाहन से उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, भूत पुलिया का यह तिराहा पहले भी कई सड़क हादसों का गवाह बन चुका है। तेज रफ्तार और तीखे मोड़ के कारण यहां अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं, जिसके चलते सिंधिया छत्री की दीवार को भी कई बार नुकसान पहुंचा है।

# मऊगंज के डायल-112 हीरोज: त्वरित कार्रवाई से बचीं दो जिंदगियाँ, सड़क हादसे में घायलों को समय पर मिला उपचार

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल ( निप्र )।** मऊगंज जिले के थाना मऊगंज क्षेत्र में डायल-112 टीम की तत्परता और संवेदनशीलता ने एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश की। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए एक पुरुष एवं एक महिला को समय पर अस्पताल पहुँचाकर डायल 112 जवानों ने उनकी जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 02 मार्च को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल 112 भोपाल को सूचना मिली कि मऊगंज बाईपास के समीप एक मोटर साइकिल को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी है। हादसे में मोटर साइकिल सवार पुरुष और साथ में बैठी महिला गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सूचना मिलते ही थाना मऊगंज में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।

डायल-112 स्टाफ आरक्षक रजनीश यादव एवं पायलट प्रवेश चतुर्वेदी ने मौके पर पहुँचकर स्थिति का त्वरित आकलन किया और राहत कार्य प्रारंभ किया। दोनों घायलों को गंभीर अवस्था में पाया गया। जवानों ने बिना विलंब किए उन्हें एफआरव्ही वाहन से सुरक्षित रूप से सिविल चिकित्सालय मऊगंज पहुँचाया जहाँ चिकित्सकों द्वारा तत्काल उपचार प्रारंभ किया गया।

समय पर मिली चिकित्सा सहायता के कारण संभावित गंभीर परिणामों को टाला जा सका। डायल-112 की यह सजग समर्पित और मानवीय कार्यवाही डायल 112 हीरोज श्रृंखला में एक और प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आई है।

यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस आपात परिस्थितियों में आमजन की सुरक्षा और जीवन रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। संकट की घड़ी में डायल 112 टीम की सक्रियता ने एक बार फिर भरोसे को मजबूत किया है।

# 866 बंदियों से मिलने पहुंचे 2804 परिजन, शिवपुरी की जेल में भाई दूज; कड़ी सुरक्षा के बीच हुई विशेष 'खुली मुलाकात'

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** होली के बाद भाई दूज के अवसर पर शिवपुरी की सर्किल जेल सहित जिले और संभाग की अन्य जेलों में बंदियों के लिए विशेष 'खुली मुलाकात' का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 866 बंदियों से उनके 2804 परिजनों ने जेल परिसर में आकर शांतिपूर्ण ढंग से मुलाकात की। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच संपन्न हुए इस आयोजन के बाद वर्तमान में सभी बंदियों को वापस सुरक्षित रूप से लॉकअप में भेज दिया गया है। शिवपुरी सर्किल जेल में बंदियों और उनके परिजनों के बीच मुलाकात के लिए खास व्यवस्था की गई थी। जारी रिपोर्ट के अनुसार, यहां 242 पुरुष और 11 महिला बंदियों (जिनमें 2 ट्रांसजेंडर भी शामिल हैं) से उनके परिजन मिलने पहुंचे। शिवपुरी जेल में कुल 1235 परिजनों ने बंदियों से मुलाकात की, जिनमें 6 वर्ष से कम उम्र के 243 छोटे बच्चे भी शामिल थे। जेल अधिकारियों और कर्मचारियों की कड़ी निगरानी में ये मुलाकातें संपन्न हुईं।

**अवैध सामग्री रोकने के लिए हुई लगातार चेकिंग:** सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जेल अधीक्षक रमेश चंद्र आर्य ने बताया कि मुलाकात के दौरान लगातार तलाशी और निगरानी की व्यवस्था की गई थी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि जेल परिसर में किसी भी प्रकार की अवैध सामग्री न पहुंच सके। पूरी प्रक्रिया में सतर्कता बरती गई और मुलाकात के बाद सभी बंदियों का मिलान कर उन्हें सुरक्षित रूप से लॉकअप में बंद कर दिया गया।

**अन्य जेलों का आंकड़ा: अशोकनगर और गुना में भी पहुंचे लोग:** शिवपुरी जिले के अधीन आने वाली अन्य जेलों में भी भाई दूज पर विशेष मुलाकातें आयोजित की गईं। आंकड़ों के मुताबिक, जिला जेल गुना में 420, जिला जेल अशोकनगर में 552 और जिला जेल श्योपुर में 49 परिजनों ने बंदियों से मुलाकात की। इसी तरह सब जेल पोहरी में 6, सब जेल कोलारस में 26, सब जेल पिछोर में 191, सब जेल करेरा में 278 और सब जेल चांचौड़ा में 47 परिजन अपने संबंधियों से मिलने पहुंचे।

**मुलाकात करने वालों में 414 छोटे बच्चे भी शामिल:** जेल प्रशासन के समग्र आंकड़ों के अनुसार, शिवपुरी और उसके अधीन आने वाली सभी जेलों को मिलाकर कुल 866 बंदियों से 2804 परिजनों ने आमने-सामने बैठकर मुलाकात की। इन परिजनों में कुल 414 ऐसे छोटे बच्चे भी शामिल थे, जो अपने परिजनों से मिलने जेल पहुंचे थे। पूरे संभाग में यह आयोजन बिना किसी परेशानी के शांतिपूर्ण ढंग से पूरा हुआ।

# जिला स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता का आयोजन 8 मार्च को

**एमसीबी निप्र।** खेल एवं युवा कल्याण विभाग से मिली जानकारी अनुसार 8 मार्च अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य के बालिका एवं महिलाओं को खेल के प्रति उत्साहित एवं बढ़ावा देने के उद्देश्य से 01 दिवसीय जिला स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, वॉलीबाल, कबड्डी, शतरंज (इंडोर एवं आउटडोर गेम्स) को शामिल किया गया है। जिसमें आयु सीमा 12 वर्ष से ऊपर की बालिकाएं एवं महिलाएं भाग ले सकती है।

उन्होने बताया कि जिला स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता 8 मार्च प्रात: 10 से स्वामी आत्मानंद विद्यालय मनेन्द्रगढ़ खेल मैदान में किया जाना है। इस प्रतियोगिता का आयोजन जिला प्रशासन एवं खेल युवा कल्याण विभाग द्वारा किया जा रहा है।

# युवक का शव पेड़ पर लटका मिला, पत्नी के मायके जाने के बाद हुई घटना; पुलिस जांच में जुटी

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** जिले के पोहरी थाना क्षेत्र के मचाखुर्द गांव में गुरुवार सुबह एक 25 वर्षीय युवक का शव पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने पर पोहरी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान चंदन आदिवासी के रूप में हुई है। बताया गया है कि चार-पांच दिन पहले उसका अपनी पत्नी से विवाद हुआ था। इसके बाद उसकी पत्नी बैराड़ थाना क्षेत्र के खेरपुरा गांव स्थित अपने मायके चली गई थी।

ग्रामीणों के अनुसार, मृतक की पत्नी मायके से किसी अन्य युवक के साथ चली गई थी। आशंका जताई जा रही है कि यह जानकारी मिलने के बाद चंदन ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि, आत्महत्या के वास्तविक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पोहरी पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

# 44वीं अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश पुलिस का दमदार प्रदर्शन, 6 पदक जीतकर बढ़ाया मान

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल ( निप्र )।** मध्यप्रदेश पुलिस के घुड़सवारी दल ने 44वीं अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता एवं माउंटेड पुलिस ड्यूटी मीट में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 06 पदक (02 स्वर्ण, 02 रजत एवं 02 कांस्य) अर्जित कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 15 से 27 फरवरी 2026 तक सीमा सुरक्षा बल अकादमी, टेकनपुर में आयोजित की गई, जिसमें देशभर की पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों की 21 टीमों, 345 अश्वों और लगभग 700 राइडर्स ने भाग लिया।

इस उपलब्धि पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने पुलिस मुख्यालय भोपाल में आयोजित समारोह में विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह सफलता टीम की कड़ी मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रशिक्षण का परिणाम है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा करते हुए भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए निरंतर अभ्यास और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण पर बल दिया।

प्रतियोगिता के अंतर्गत सईस टेस्ट में उत्कृष्ट अश्व प्रबंधन का प्रदर्शन करते हुए घनश्याम प्रजापति ने स्वर्ण पदक अर्जित किया। वहीं, टीम के प्रमुख राइडर आरक्षक फराज खान ने क्रॉस कंट्री स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इसके अतिरिक्त उन्होंने पुलिस हॉर्स टेस्ट एवं क्रॉस कंट्री में दो रजत पदक तथा मेंटल हेजार्ड और शो जंपिंग ग्रेड-03 स्पर्धाओं में दो कांस्य पदक हासिल किए। शो जंपिंग प्री-प्रिलिमिनरी स्पर्धा में चौथा स्थान प्राप्त कर भी उन्होंने मध्यप्रदेश पुलिस का मान बढ़ाया।

समारोह के दौरान राज्य की माउंटेड पुलिस इकाई को और अधिक पेशेवर बनाने, आधुनिक प्रशिक्षण पद्धतियां अपनाने तथा उच्च नस्ल के स्पोर्ट्स ब्रीड अश्वों की संख्या बढ़ाने पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसएएफ चंचल शेखर सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

# पूर्व डीजीपी एच.एम. जोशी के 100वें जन्मदिवस पर सम्मान समारोह, नेतृत्व को बताया प्रेरणादायी अध्याय

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल ( निप्र )।** सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश हरिवल्लभ मोहनलाल जोशी (एच.एम. जोशी) के 100वें जन्मदिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश आईपीएस एसोसिएशन द्वारा पुलिस ऑफिसर्स मेस, भोपाल में गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जोशी देश के पहले बैच (1948) के आईपीएस अधिकारी रहे हैं और उनका सेवाकाल मध्यप्रदेश पुलिस के इतिहास में विशेष स्थान रखता है।

समारोह में जोशी को शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। वर्ष 2024 बैच की परिवीक्षाधीन आईपीएस अधिकारी एवं सहायक पुलिस अधीक्षक, उज्जैन सुश्री काजल सिंह ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया। यह अवसर भावनात्मक और प्रेरणादायी रहा, जिसने पुलिस सेवा की परंपरा और पीढ़ियों के जुड़ाव को सजीव कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान उनके जीवन और सेवाकाल पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें दस्यु उन्मूलन अभियान, अपराध नियंत्रण और प्रशासनिक नेतृत्व में उनके योगदान को दर्शाया गया। वर्तमान पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जोशी का नेतृत्व मध्यप्रदेश पुलिस के इतिहास में प्रेरणादायी अध्याय के रूप में स्मरणीय है। उन्होंने चंबल और बुंदेलखंड क्षेत्र में दस्यु समस्या के समाधान के लिए प्रभावी रणनीतियां अपनाईं, जिसके परिणामस्वरूप कई कुख्यात डकैतों का सफाया हुआ और अनेक ने आत्मसमर्पण किया।

# एसपी-एएसपी ने गाया- होली के दिन दिल खिल जाते हैं

## नांचे अधिकारी-कर्मचारी; पुलिस की होली में फाग गीत भी गाए

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** होली के अवसर पर दोज के दिन शिवपुरी पुलिस ने पुलिस परेड ग्राउंड में होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ और एडिशनल एसपी संजीव मुले मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस दौरान जिले भर से एसडीओपी, थाना प्रभारी सहित विभिन्न थानों में पदस्थ पुलिस अधिकारी और कर्मचारी अपने कप्तान को होली की शुभकामनाएं देने परेड ग्राउंड पहुंचे।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। माहौल पूरी तरह से होली के रंग में सराबोर नजर आया। फाग गीतों और होली के फिल्मी गानों पर पुलिस अधिकारी और जवान जमकर झूमते नजर आए।

**एसपी और एडिशनल एसपी ने गाया गीत:** कार्यक्रम के बीच एसपी अमन सिंह राठौड़ और एडिशनल एसपी संजीव मुले ने माइक थामकर 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं, रंगों में रंग मिल जाते हैं' गीत गाया, जिससे कार्यक्रम का माहौल और भी रंगीन हो गया। कप्तान के गीत पर पूरा पुलिस महकमा झूम उठा। वहीं महिला पुलिस अधिकारियों ने भी 'ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे' गीत गाकर माहौल में और उत्साह भर दिया। कार्यक्रम के अंत में एसपी अमन सिंह राठौड़ और एडिशनल एसपी संजीव मुले ने सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को होली की शुभकामनाएं दीं।

# बेटी के ससुराल पहुंचे बुजुर्ग पर कुत्तों का हमला, होली पर लड़की को लेने पहुंचे थे; लोगों ने बचाया

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** जिले के बैराड़ थाना क्षेत्र के देवरी गांव में होली के दिन कुत्तों के झुंड ने एक बुजुर्ग पर हमला कर दिया। इस हमले में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पहले बैराड़ स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर शिवपुरी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डांगबर्बे गांव निवासी 65 वर्षीय घुरूं आदिवासी होली के अवसर पर अपनी बेटी जामवती आदिवासी को मायके लाने के लिए देवरी गांव स्थित उसकी ससुराल पहुंचे थे। बुधवार दोपहर जब घुरूं आदिवासी गांव में घूम रहे थे, तभी अचानक 5 से 6 कुत्तों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। कुत्तों के हमले से वह नीचे गिर पड़े और कुत्तों ने उनके शरीर के कई हिस्सों में काट लिया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने किसी तरह कुत्तों को भगाकर बुजुर्ग को बचाया।

उन्हें तुरंत उपचार के लिए बैराड़ के स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद, रात करीब 1 बजे उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल शिवपुरी रेफर कर दिया गया। घायल बुजुर्ग की बेटी जामवती ने बताया कि गांव में कुत्तों का झुंड अक्सर अंजान लोगों पर हमला करता है। उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले भी गांव में ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं।

## मंदसौर में होली पर दंपती से मारपीट:पड़ोसी ने गाली-गलौज की

**मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)।** मंदसौर शहर के किटियानी स्थित डुप्लेक्स के पास रहने वाले दुर्गेश पिता माधव सिंह का एक युवक सद्दाम से विवाद हो गया। जानकारी के अनुसार दुर्गेश सड़क से गुजर रहे थे, तभी किसी बात को लेकर दोनों के बीच गाली-गलौज शुरू हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर उस समय मामला शांत करा दिया था। बताया जा रहा है कि कुछ देर बाद सद्दाम दुर्गेश के घर पहुंच गया और फिर से विवाद करने लगा। शोर सुनकर दुर्गेश की पत्नी कोमल (26) बाहर आई और दोनों को समझाने की कोशिश की। इसी दौरान विवाद बढ़ गया और आरोपी ने पति-पत्नी दोनों के साथ मारपीट कर दी।

**तलवार से हमला करने का आरोप :** पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपी अपने साथ तलवार भी लेकर आया था और उसने तलवार से हमला करने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो पाया। कोमल के मुताबिक जब उन्होंने तलवार पकड़ ली तो आरोपी ने उनके नाक पर मुक्का मार दिया। इस घटना में कोमल के हाथ और नाक में चोट आई है, जबकि दुर्गेश के मुंह पर भी चोट लगी है। घटना के बाद घायल दंपती को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पीड़िता कोमल ने बताया कि होली का त्योहार होने के कारण वे घर पर ही थे। उसी दौरान आरोपी घर पहुंचा और उनके पति को बाहर बुलाकर गाली-गलौज करने लगा। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस पूरे मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है।

## देसी कट्टा लेकर घूम रहा 19 वर्षीय बदमाश गिरफ्तार सागर पुलिस को देखकर पेड़ के पीछे छिपा

**मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)।** सागर जिले की मोतीनगर थाना पुलिस ने अवैध हथियार लेकर घूम रहे 19 वर्षीय एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक देसी कट्?टा और कारतूस जब्त किया है। आरोपी

को थाने लाकर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि मुंडी टौरी इलाके में आईपीएस स्कूल के पास एक युवक संदिग्ध हालत में देसी कट्टा लेकर घूम रहा है। इस सूचना पर पुलिस टीम तत्काल कार्रवाई के लिए रवाना की गई। मौके पर पहुंचकर टीम ने मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर संदिग्ध की तलाश शुरू की।

**पुलिस को देखकर पेड़ के पीछे छिप गया था आरोपी :** पुलिस टीम को देखकर आरोपी घबरा गया और बचने के लिए एक पेड़ के पीछे छिप गया। हालांकि, पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए घेराबंदी कर उसे धर दबोचा। पूछताछ में उसने अपना नाम 19 वर्षीय हर्ष उर्फ कृष्णा (पिता धीरेंद्र सिंह ठाकुर), निवासी इतवारी टौरी रामपुरा वार्ड बताया।

**कट्टा और कारतूस बरामद, हथियार के सोर्स की जांच जारी :** पुलिस ने जब आरोपी की तलाशी ली, तो उसके पास से 315 बोर का एक अवैध देशी कट्टा और एक कारतूस बरामद हुआ। इसके बाद आरोपी को पकड़कर मोतीनगर थाने लाया गया, जहां उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया गया है। पुलिस फिलहाल आरोपी से इस बात की पूछताछ कर रही है कि वह यह अवैध हथियार कहां से लाया था।

## फोरलेन पर श्रद्धालुओं को ट्रक ने पीछे से मारी टक्कररतलाम से चारभुजा नाथ पैदल जा रहे थे

**मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)।** रतलाम से राजस्थान के राजसंमद जिले के प्रसिद्ध चारभुजा नाथ जी की यात्रा पर पैदल जा रहे श्रद्धालुओं को रतलाम-मंदसौर फोरलेन पर पीछे से अज्ञात चार पहिया वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। जबकि दो घायल हो गए। जिन्हें रतलाम में उपचार के लिए भर्ती किया है। हादसा जिले के ढोढर व

परवलिया के बीच ग्रीन होटल के सामने बुधवार दोपहर करीब 3.45 बजे हुआ है। रतलाम निवासी नरेंद्र कुमार शुक्ला (76), मनोहर मूंदड़ा व भगवती काबरा तीनों 3 मार्च को रतलाम से चारभुजा नाथ जाने के लिए पैदल यात्रा पर निकले थे। रात में जावरा के हसनपालिया में रुके थे। बुधवार सुबह वह आगे की यात्रा के लिए पैदल रवाना हुए।

**वाहन समेत फरार हुआ आरोपी चालक :** दोपहर में फोरलेन पर ढोढर व परवलिया के बीच ग्रीन होटल के सामने आयशर ट्रक चालक ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। राहगीरों व स्थानीय लोगों ने उक्त तीनों घायलों को जावरा सरकारी अस्पताल भिजवाया। हादसे की जानकारी मिलने पर रतलाम से परिजन, रिश्तेदार, परीचित कपिल व्यास, संदीप व्यास, अनिल पोरवाल आदि जावरा पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने नरेंद्र कुमार शुक्ला को मृत घोषित कर दिया। जावरा में पीएम के बाद शव को रात में रतलाम लाकर मेडिकल कॉलेज की मच्युर्री में रखा गया। जहां गुरुवार सुबह परिजन शव लेकर घर जाएंगे। जावरा में प्राथमिक उपचार के बाद घायल मनोहर मूंदड़ा को रतलाम में प्राइवेट हॉस्पिटल व भगवती काबरा को मेडिकल कॉलेज में एडमिट कराया है। ढोढर चौकी प्रभारी रघुवीर जोशी ने बताया अज्ञात ट्रक चालक टक्कर मार फरार हो गया है। हमें भी अस्पताल से घटना की जानकारी मिली। ढोढर टोल प्लाजा के सीसीटीवी फूटेज चैक किए जा रहे है। ट्रक की तलाश में टीम लगाई है।

# पत्थर फेंकने के शक में विवाद, चले लाठी-डंडे

### लोहे की रॉड से हमला; 10 लोग घायल, 2 के सिर फोड़े

**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)।** नर्मदापुरम जिले के रामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सिलारी में होली की दो पक्षों के बीच मामूली बात को लेकर विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी, डंडे और लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिसमें 10 लोग घायल हो गए। इनमें दो लोगों के सिर में गंभीर चोट आई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया। सभी घायलों को उपचार के लिए इटारसी के सरकारी अस्पताल भेजा गया। घटना बुधवार शाम करीब 7:38 बजे की बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक घर पर पत्थर फेंकने के शक को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई थी, जो

देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। गांव में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

**दोनों पक्षों की ओर से दर्ज हुए काउंटर केस :** रामपुर थाना पुलिस ने देर रात दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर केस दर्ज किए हैं। एक पक्ष से फरियादी नरेन्द्र कुमार पथोरिया की शिकायत पर विनोद पिता सुखदेव पथोरिया (28), कृष्ण कुमार पिता चिमनलाल पथोरिया (27), गणेश पिता चिमनलाल पथोरिया (20) और ललित पिता चिमनलाल पथोरिया (22) निवासी ग्राम सिलारी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वहीं दूसरे पक्ष से फरियादी प्रेम नारायण पथोरिया की शिकायत पर नरेन्द्र कुमार पथोरिया (42), राजेन्द्र पिता धीरज सिंह पथोरिया (30), छुटकी पिता शिवराम अहिरवार (22) और सागर पिता रमेश पथोरिया (21) निवासी ग्राम सिलारी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

**रामपुर थाना प्रभारी विपिन पाल ने बताया कि :** पत्थर फेंकने के शक में विवाद हुआ था। दोनों पक्षों ने लाठी, डंडे और लोहे की रॉड से हमला किया, जिसमें 10 लोग घायल हुए हैं। मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है।

**दोनों पक्षों से ये लोग घायल :** हमले में एक पक्ष से नरेन्द्र कुमार, राजेन्द्र पथोरिया और छुटकी अहिरवार घायल हुए हैं। वहीं दूसरे पक्ष से विनोद पथोरिया, ममता बाई पथोरिया, कृष्ण कुमार अहिरवार, गणेश अहिरवार, तुलाराम पथोरिया, चिमनलाल और सौरभ अहिरवार घायल हुए हैं। सभी ग्राम सिलारी के निवासी बताए गए हैं।

**शहर में भी होली पर झगड़ा :** इधर नर्मदापुरम शहर में सेठ गुरु प्रसाद स्कूल के पास होली खेलने की बात को लेकर दो युवकों के बीच विवाद हो गया। गाली-गलौज के बाद मारपीट की स्थिति बन गई। मामले में विकास संतोरे ने सुरेंद्र कहार के खिलाफ केस दर्ज कराया है, जबकि सुरेंद्र कहार ने भी विकास संतोरे के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## लिव इन पार्टनर ने 2 साल किया शोषण फिर छोड़ा पति 20 साल पहले अलह हो चुका

**मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)।** खंडवा में 45 वर्षीय महिला ने अपने लिव इन पार्टनर पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप लगाया हैं। महिला का कहना है कि, उसे पति ने 20 साल पहले छोड़ दिया था। तब से वह अपने एक बच्चे को लेकर अलग रहने लगी। वहीं एक फल कारोबारी ने दोस्ती का हाथ बढ़ाया। उसने भरोसा दिया कि शादी करेगा लेकिन अब वह मुकर गया है। उसने दो साल तक उसका शोषण किया। मामला थाना धनगांव क्षेत्र का है, बुधवार देर रात पुलिस ने केस दर्ज कर मामले को जांच में लिया हैं। टीआई गंगाप्रसाद वर्मा के अनुसार, खंडवा निवासी भुरू खान पिता

अबरार के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। 45 वर्षीय पीड़िता ने बताया कि, आरोपी ने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाएं। लगातार शोषण किया और अब उसने शादी से इनकार कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

**महिला बोलीं- पत्नी, बच्चों को छोड़कर आया था आरोपी :** इधर, पीड़ित महिला का कहना है कि, उसे उसके पति ने 20 साल पहले छोड़ दिया था। निकाह के 2 साल बाद ही वह पति से अलग रह रही थी। महिला अपने बच्चे को लेकर मायके आ गई और यहीं पर छोटी सी पान-मसाला की दुकान खोल ली। यहीं पर भूरू खान नाम का व्यक्ति खंडवा से आकर फल का ठेला लगाता था। महिला की उससे जान-पहचान हो गई। वह भी पत्नी और बच्चों को छोड़कर आया था। काफी साल तक वह अकेला रहा, इसलिए उस पर भरोसा हो गया। उसने भी विश्वास दिलाया कि मेरा इस दुनिया में कोई नहीं है। इसलिए आगे की जिंदगी अब वह मेरे साथ ही गुजारेगा। अप्रैल 2024 से वह मेरे साथ मेरे घर पर रहने लगा। हम दोनों पति-पत्नी की तरह रहने लगे। मैं निकाह का कहती रही, लेकिन वो टालता रहा। अब उसने 10 जनवरी को निकाह की बात कहीं थी। उसी दिन हम लोग निकाह करने वाले थे। लेकिन निकाह के दिन भूरू ने फोन बंद कर लिया।

फिर वो घर नहीं आया, मुझे फोन कर निकाह से मना कर दिया और अपने पत्नी, बच्चों के पास खंडवा चले गया। इसके बाद महिला ने थाने में जाकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

## पन्ना में कोटवार और पत्नी पर जानलेवा हमला

**मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)।** जिले के मडला क्षेत्र में कोटवार गुरु चरण रैकवार और उनकी पत्नी सोना रैकवार पर धारदार हथियार और लाठी-डंडों से हमला किया गया। पुरानी रंजिश के चलते हुए इस हमले में पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना बुधवार 4 मार्च की शाम को हुई। कोटवार गुरु चरण रैकवार (28 वर्ष) अपनी पत्नी सोना रैकवार के साथ घर पर मौजूद थे। तभी उनके चाचा राजू रैकवार के पुत्र नंद किशोर, टीकाराम और राम स्वरूप ने पुरानी रंजिश के चलते उन पर हमला कर दिया। घायल ने बताया कि पिता के जमीन और घर के हिस्से करने के बाद ही यह विवाद करते हैं। घायलों ने बताया कि आरोपी अचानक घर में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए हमला शुरू कर दिया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा होने लगे, जिसके बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित परिवार ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़ितों के बयान दर्ज कर लिए हैं। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल सभी आरोपी फरार हैं और उनकी तलाश में छापेमारी की जा रही है। घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

## सीजन में पहली बार दिन का पारा 36 डिग्री पहुंचा,दिन में तल्ख धूप से गर्मी का अहसास

**मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)।** सागर में मौसम ने तेजी से करवट बदली है, जिससे सर्दी की विदाई लगभग तय मानी जा रही है। मार्च के पहले सप्ताह में ही सूरज ने अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। बुधवार को सागर प्रदेश के उन टॉप-5 शहरों में शामिल रहा, जहां अधिकतम तापमान सबसे अधिक दर्ज किया गया। स्थिति यह है कि सुबह 10 बजे से ही धूप चुभने लगी है और कूलर-पंखों की जरूरत महसूस होने लगी है। दिन का तापमान 36 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है जो इस सीजन में पहली बार इतनी ऊंचाई पर पहुंचा है। दोपहर में गर्मी महसूस होने लगी है। हालांकि सुबह और रात के समय हल्की ठंडक हो रही है। इस समय सागर का मौसम साफ है। तेज धूप खिल रही है। बुधवार को गर्मी के इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। दिन का पारा उछलकर 36 डिग्री पर पहुंचा गया है। दोपहर के समय धूप में चुभन महसूस हो रही है।

**बुधवार सीजन का सबसे गर्म दिन रहा :** मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को शहर का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 6 डिग्री ज्यादा है। वहीं, न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1 डिग्री अधिक है।

तापमान बढ़ने के कारण हवा में नमी कम हो गई है। अचानक बढ़े पारे से बुधवार इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा।

**8 मार्च से मौसम बदलने और बादल छाने का अनुमान :** मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तर भारत में एक साथ दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहे हैं। एक सिस्टम वर्तमान में सक्रिय है, जबकि दूसरा 6 मार्च को हिमालयी क्षेत्र में प्रवेश करेगा। जिसके असर से 8 मार्च के आसपास सागर और बुंदेलखंड के आसमान में बादल छा सकते हैं। सिस्टम के प्रभाव से स्थानीय स्तर पर गरज-चमक के साथ कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी हो सकती है।

## पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर डांस किया छतरपुर थाने में होली की धूम

**मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)।** छतरपुर होली के पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए पिछले कई दिनों से लगातार ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों ने गुरुवार को अपनी ड्यूटी से निवृत्त होने के बाद थाने में ही होली का त्योहार उत्साह के साथ मनाया। छतरपुर शहर के सिटी कोतवाली थाना परिसर में महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और लंबे समय बाद मिले इस अवसर का आनंद लिया। सिटी कोतवाली टीआई अरविंद दांगी ने बताया कि होली के त्योहार को देखते हुए जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए गए थे। शहर के प्रमुख चौराहों, संवेदनशील इलाकों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। इसके साथ ही मोबाइल पार्टियों द्वारा लगातार गश्त कर स्थिति पर नजर रखी जा रही थी, ताकि कहीं भी अव्यवस्था या विवाद की स्थिति न बने। उन्होंने बताया कि पुलिसकर्मी कई दिनों

से लगातार ड्यूटी कर रहे थे, ताकि आमजन सुरक्षित और हर्षोल्लास के साथ होली का त्योहार मना सकें। त्योहार के दौरान पुलिस ने मुस्तैदी के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई और शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखी। ड्यूटी पूरी होने के बाद सिटी कोतवाली थाना परिसर में पुलिसकर्मियों ने आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ होली मनाई। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाया और त्योहार की शुभकामनाएं दीं। महिला पुलिसकर्मी भी इस आयोजन में उत्साह के साथ शामिल रहीं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि त्योहारों के दौरान पुलिस की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, लेकिन जब शहर में शांति और सौहार्द के साथ त्योहार संपन्न होता है तो पुलिसकर्मियों को भी संतोष मिलता है। ड्यूटी के बाद मनाई गई यह होली पुलिस परिवार के लिए खुशी और आपसी भाईचारे का प्रतीक बनी।

# शराब दुकान सेल्समैन के सिर पर बॉटल से हमला

### बुरहानपुर में एक गिरफ्तार, 2 फरार; ड्राइ डे पर दुकान खोलने की बात पर विवाद

**मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)।** बुरहानपुर के लोधीपुरा में एक शराब दुकान के सेल्समैन पर शराब की बोतल से हमला कर उसे घायल करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ जबरन वसूली, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दो अन्य फरार हैं। गणपति नाका थाना के एसआई किशोर मोहनिया ने बताया कि लोधीपुरा स्थित शराब दुकान के सेल्समैन नवीन पिता मुन्ना जायसवाल की शिकायत पर सचिन पिता सुरेश गाढ़े, सिद्धार्थ पिता सुरेश गाढ़े और आकाश गायकवाड़ (तीनों निवासी लोधीपुरा) के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धाराओं 296-बी, 115-2, 351-3, 3-5, 119-1 और 331-1 के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह घटना बुधवार शाम 4:30 बजे हुई थी, जिसकी एफआईआर रात 9 बजे दर्ज की गई। गुरुवार दोपहर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर

मीडिया के सामने पेश किया। पुलिस को दी गई शिकायत में सेल्समैन नवीन जायसवाल ने बताया कि 4 मार्च को शाम 4 बजे के बाद उन्होंने लोधीपुरा की सरकारी कंपोजिट शराब दुकान खोली थी। तभी सचिन गाढ़े, उसका भाई सिद्धार्थ गाढ़े उर्फ कालू और आकाश गायकवाड़ दुकान पर आए। उन्होंने कहा कि आज 'ड्राई डे' है और दुकान क्यों खुली है। नवीन ने बताया कि नियमानुसार दुकान शाम 4 बजे के बाद खुली है। आरोपियों ने दुकान नहीं खोलने की बात कही और जबरन शराब की मांग करते हुए पैसे मांगने लगे। मना करने पर उन्होंने गाली-गलौज की। तीनों बिना अनुमति दुकान का दरवाजा धकेलकर अंदर घुस गए। नवीन के अनुसार, सचिन ने उनका हाथ पकड़ा और सिद्धार्थ ने पास पड़ी कांच की बोतल उनके सिर पर मार दी, जिससे खून बहने लगा। आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ जबरन वसूली, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दो अन्य फरार हैं।

## खंभे के सहारे राउंड लगाने वालों को कोड़े मारे :रायसेन में 25 फीट ऊपर घूमाते हैं बकरा

**मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)।** रायसेन जिले के वनगवां गांव में होली के अवसर पर 'वीर बम बोल' एक अनूठी परंपरा निभाई जाती है। यह सदियों पुरानी प्रथा धूलेंडी के दिन शाम 6 बजे से शुरू होती है, जिसमें मेघनाथ बाबा की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। इस परंपरा के तहत, पूजा स्थल पर लगे दो लोहे के खंभों पर लगभग 25 फीट की ऊंचाई पर एक बकरे को बांधकर घुमाया जाता है। स्थानीय लोग मेघनाथ को 'वीर बब्बों' भी कहते हैं।आयोजन का एक अन्य महत्वपूर्ण हिस्सा युवाओं को कोड़े मारना है। यह प्रथा वीरों की पहचान के लिए शुरू की गई थी। माना जाता है कि जो युवा अपने गांव और समाज की रक्षा करेंगे, उन्हें कोड़े मारकर उनकी वीरता का एहसास कराया जाता है। इस दौरान कोड़े खाने वाले व्यक्तियों को कोई शारीरिक नुकसान नहीं होता और उनके शरीर पर चोट के निशान भी नहीं मिलते हैं।

# इटली की महिला हॉकी टीम एफआईएच विश्व कप 2026 क्वालीफायर के लिए हैदराबाद पहुंची

**हैदराबाद, एजेंसी।** इटली की राष्ट्रीय महिला हॉकी टीम आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर के लिए हैदराबाद, तेलंगाना पहुंच गयी है। आठ से 14 मार्च तक होने वाले इस टूर्नामेंट में आठ देश मुकाबला करेंगे। इटली को पूल ए में रखा गया है। जहां उनका सामना इंग्लैंड, कोरिया और ऑस्ट्रिया से होगा। यूरोपियन टीम पहले दो बार एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर चुकी है, पहली बार 1976 में और हाल ही में 2018 में, जहां उन्होंने नौवें स्थान पर रहकर अपना अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। इटली अपने अभियान की शुरुआत आठ मार्च को इंग्लैंड के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद नौ और 11 मार्च को ऑस्ट्रिया और कोरिया के खिलाफ मैच होंगे। इस अवसर पर इटली की महिला हॉकी टीम की कप्तान, सारा पुग्लिसी ने कहा, हम टीम के साथ अच्छी तैयारी के बाद अभी हैदराबाद पहुंचे हैं। हम एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए क्वालिफ़ाई मुकाबालों के लिए तैयार हैं।

# सालाह के गोल के बावजूद वॉल्व्स से हारा लिवरपूल

**लंदन, एजेंसी।** मोहम्मद सालाह के गोल के बावजूद लिवरपूल को इंग्लिश प्रीमियर लीग (EPL) फुटबॉल टूर्नामेंट में सबसे निचले पायदान पर काबिज वॉल्वरहैम्प्टन से 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। ब्राजील के मिडफील्डर आंद्रे ने स्टॉपेज टाइम के चौथे मिनट में गोल दागकर लिवरपूल की अगले सत्र में चैंपियंस लीग में खेलने की उम्मीदों को झटका दिया। मैच का नाटकीय अंत देखने को मिला जब सालाह ने 83वें मिनट में गोल करके लिवरपूल को बराबरी पर ला दिया। यह उनका प्रीमियर लीग में 10 मैचों में पहला गोल था। सालाह के गोल से कुछ समय पहले रोड्रिगो गोम्स ने 78वें मिनट में वॉल्व्स को बढ़त दिलाई थी।

# चीन की महिला फुटबॉल टीम ने बांग्लादेश को हराकर एशियन कप में जीत के साथ शुरुआत की

**बीजिंग, एजेंसी।** 3 मार्च को हुए 2026 एएफसी महिला एशियाई कप के ग्रुप बी मैच में डिफेंडिंग चैंपियन चीन ने बांग्लादेश को 2-0 से हराकर जीत के साथ शुरुआत की। उस दिन खेले गए दूसरे ग्रुप बी मैच में, नॉर्थ कोरिया ने उज़्बेकिस्तान को 3-0 से हराया। चीन का मुकाबला 6 मार्च को उज़्बेकिस्तान से होगा। इस साल का एशियाई महिला कप 1 से 21 मार्च तक ऑस्ट्रेलिया में आयोजित हो रहा है। जिसमें 12 टीमों ने हिस्सा लिया था, जिन्हें तीन ग्रुप में बांटा गया है। टूर्नामेंट फॉर्मेट के हिसाब से, हर ग्रुप से टॉप दो टीमें और तीसरे नंबर पर रहने वाली दो सबसे अच्छी टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी।

# 'मैं अपने घर वापस आकर सच में शुक्रगुजार हूं,' दुबई से वतन वापस लौटीं पीवी सिंधु

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप से अपना नाम वापस लेने के बाद भारत वापस लौट आई हैं। सिंधु कुछ समय पहले अपने इंडोनेशियाई कोच इरवांस्याह आदि प्रतामा के साथ दुबई में फंसी हुई थी, लेकिन मंगलवार को सिंधु ने सकुशल वतन वापसी की जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। पीवी सिंधु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'बैंगलोर में सुरक्षित घर वापसी। पिछले कुछ दिन बहुत मुश्किल और अनिश्चित रहे हैं, लेकिन मैं अपने घर वापस आकर सच में शुक्रगुजार हूं। जबरदस्त ग्राउंड टीम, दुबई अथॉरिटी, एयरपोर्ट स्टाफ, इमिग्रेशन और हर उस इंसान का दिल से शुक्रिया जिन्होंने इस मुश्किल समय में आगे आकर हमारा

इतना अच्छा ख्याल रखा। यह हमदर्दी और प्रोफेशनलिज्म शब्दों से ज्यादा मायने रखता है। अभी के लिए, आराम करने, खुद को रीसेट करने और अगले कदम तय करने का समय है।' अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध की वजह से दुबई के हालात सामान्य नहीं हैं।

इसकी वजह से सिंधु ऑल इंग्लैंड में हिस्सा नहीं ले रही हैं। वह अगले हफ्ते स्विस ओपन में हिस्सा लेंगी। इससे पहले सिंधु ने सोशल मीडिया के जरिए अपने दुबई में फंसे होने की जानकारी देते हुए एक्स पर लिखा था, 'यह मुश्किल बढ़ती जा रही है, और हालात हर घंटे और डरावने होते जा रहे हैं। कुछ घंटे पहले, एयरपोर्ट पर हम जहां छिपे हुए थे, उसके पास एक धमाका हुआ। मेरे कोच को जल्दी से उस जगह से भागना पड़ा क्योंकि वह धुएं और मलबे के सबसे करीब थे। यह हम सभी के लिए बहुत तनाव भरा और डरावना पल था।' उन्होंने लिखा, 'हम सब अब सुरक्षित हैं, और दुबई एयरपोर्ट के स्टाफ और दुबई अथॉरिटीज की लगातार कोशिशों की वजह से हमें ज्यादा सुरक्षित जगह पर ले जाया गया है। दुबई में भारतीय उच्चायोग को भी उनके जबरदस्त सपोर्ट और हमें सुरक्षित रखने में लगातार मदद के लिए खास धन्यवाद। हम चीजों के ठीक होने का इंतजार कर रहे हैं।' पीवी सिंधु साल 2021 में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं, लेकिन कभी इस टूर्नामेंट को जीत नहीं सकीं। पिछले साल उनका सफर पहले ही राउंड में खत्म हो गया था।

### पाकिस्तानी खिलाड़ी की शर्मनाक हरकत

# महिला स्टाफ के साथ की बदतमीजी, मैनेजर को मांगनी पड़ी माफी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पाकिस्तान क्रिकेट टीम का टी20 विश्व कप में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन रहा था। टीम सुपर-8 से आगे नहीं जा सकी। विश्व कप से बाहर होने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम स्वदेश लौट चुकी है। इसी बीच एक ऐसी खबर आई है जिसने फील्ड पर लगातार शर्मनाक प्रदर्शन कर रही पाकिस्तान क्रिकेट टीम की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, श्रीलंका के कैंडी में एक होटल में रहने के दौरान एक पाकिस्तानी खिलाड़ी ने महिला स्टाफ के साथ बदतमीजी की। घटना के बाद टीम मैनेजर ने खिलाड़ी पर जुर्माना लगाया। यह घटना मेजबान श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान के आखिरी सुपर 8 मैच से पहले हुई थी। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट के मुताबिक, 'श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान के आखिरी सुपर 8 मैच से पहले, पाकिस्तान वर्ल्ड कप टीम के एक खिलाड़ी ने एक महिला हाउसकीपिंग स्टाफ के साथ बदतमीजी की।'

रिपोर्ट के मुताबिक, 'स्टाफ ने मदद के लिए आवाज लगाई। होटल के दूसरे स्टाफ ने महिला स्टाफ की रक्षा की और मामले की जानकारी पाकिस्तान टीम के मैनेजर नवेद चीमा को दी। गोल्डन क्राउन होटल का टॉप मैनेजमेंट चाहता था कि इस मामले को सख्ती से निपटा जाए, लेकिन चीमा ने खिलाड़ी की तरफ से माफी मांगी और उस पर गलत व्यवहार के लिए जुर्माना लगाया।' आरोपी खिलाड़ी के पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की डिसिप्लिनरी कमिटी के सामने भी पेश होने की संभावना है और उसे और सजा मिल सकती है।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों और बैकरूम स्टाफ का टूर पर गलत व्यवहार का इतिहास रहा है। युवा बल्लेबाज हैदर अली को पिछले साल मैनचेस्टर पुलिस ने पाकिस्तान शाहीन के इंग्लैंड दौरे पर एक लड़की के साथ रेप के आरोप में गिरफ्तार किया था। हैदर कोर्ट में पेश हुआ था, लेकिन सबूतों के अभाव में उसे रिहा कर दिया गया था।

# अब तक खिताब के दावेदार जैसा नहीं खेला भारत

## इंग्लैंड भी लड़खड़ाते सेमीफाइनल में पहुंचा, अब कौन पड़ेगा भारी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय टीम गुरुवार (5 मार्च) को वानखेड़े में इंग्लैंड से भिड़ने उतरेगी तो वह 2023 वनडे वर्ल्ड कप की तरह प्रदर्शन करना चाहेगी। वह न्यूजीलैंड को हराकर फाइनल में पहुंचा था। मुंबई के इस स्टेडियम में भारतीय टीम तीन आईसीसी नॉकआउट मैच खेली है और दो हारी है। 1987 में इंग्लैंड ने उसे हराया था। वह 2016 में टी20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज से सेमीफाइनल में हारा था।

ये आंकड़े इतिहास के हैं और इनका मैच के नतीजों पर कोई असर नहीं होगा। अगर असर होता तो बुधवार (4 मार्च) को न्यूजीलैंड फाइनल में नहीं पहुंचता, जो सेमीफाइनल से पहले टी20 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका से कभी नहीं जीता था। 8 मार्च को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में वह टीम पहुंचेगी जो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी और भारत और इंग्लैंड ने टूर्नामेंट में अबतक ऐसा नहीं किया है।

- **एकजुट प्रदर्शन नहीं-** डिफेंडिंग चैंपियन और खिताब की प्रबल दावेदार भारतीय टीम ने किसी मैच में एकजुट प्रदर्शन नहीं किया है। हर मैच में कोई एक खिलाड़ी चला है और उसने टीम का बेड़ा पार लगाया है। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अमेरिका, इशान किशन ने नामीबिया और पाकिस्तान, शिवम दुबे ने नीदरलैंड्स और साउथ अफ्रीका), अभिषेक शर्मा-हार्दिक पांड्या ने जिम्बाब्वे और संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया।
- **अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती पर फोकस-** भारत के लिए चिंता का विषय अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन टूर्नामेंट में वे जूझते दिख रहे हैं। पहला मैच छोड़ दें तो कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा है। जसप्रीत बुमराह ने जब भी जरूरत पड़ी

भारत की वापसी कराई है। अर्शदीप सिंह और हार्दिक पंड्या ने उनका अच्छा साथ दिया है। भारतीय टीम की समस्या फील्डिंग भी है।

# सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे भारतीय खिलाड़ी, बप्पा से लिया आशीर्वाद

**मुंबई, एजेंसी ।** टीम इंडिया गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला खेलेगी। इस नॉकआउट मैच से पहले ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और अक्षर पटेल गणपति बप्पा के दर्शन करने सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे। इस विश्व कप की लगातार 3 पारियों में 'शून्य' पर आउट होने के बाद अभिषेक शर्मा ने साउथ अफ्रीका के विरुद्ध 15 रन बनाए, जिसके बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ 55 रन की पारी खेली। इसके बाद वेस्टइंडीज के विरुद्ध 10 रन बनाए। फैंस को नॉकआउट मैच में इस सलामी बल्लेबाज से खासा उम्मीदें हैं। दूसरी ओर ईशान किशन ने नामीबिया और पाकिस्तान के खिलाफ अर्धशतक लगाने के बाद जिम्बाब्वे के विरुद्ध सुपर-8 मैच में 38 रन की पारी खेली थी। देश को उनसे आगामी मुकाबले में बड़ी पारी की आस है।

अक्षर पटेल ने इस विश्व कप में यूएसए, नामीबिया और पाकिस्तान के विरुद्ध 2-2 विकेट हासिल किए थे। इसके बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ

1 विकेट निकाला। उनसे न सिर्फ गेंदबाजी में, बल्कि बल्लेबाजी में भी फैंस को काफी उम्मीदें हैं। टीम इंडिया यूएसए, नामीबिया, पाकिस्तान और नीदरलैंड के खिलाफ लगातार चार ग्रुप स्टेज मैच जीतकर सुपर-8 में पहुंची, जहां साउथ अफ्रीका के विरुद्ध 76 रन से शिकस्त झेलने के बाद भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रन से रौंदा। इसके बाद निर्णायक मुकाबले में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर टीम इंडिया ने सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया है। दूसरी ओर, नेपाल के खिलाफ 4 रन से जीत दर्ज करने के बाद इंग्लैंड को वेस्टइंडीज के विरुद्ध हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, इसके बाद इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड और इटली को शिकस्त देकर सुपर-8 के लिए क्वालीफाई किया, जहां श्रीलंका, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड को मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत-इंग्लैंड के बीच टी20 वर्ल्ड कप में अब तक 5 मैच खेले गए हैं, जिसमें भारत ने 3 मुकाबले अपने नाम किए। पिछले दो वर्ल्ड कप से, इंग्लैंड बनाम भारत सेमीफाइनल मुकाबले का विजेता ट्रॉफी अपने नाम करते आया है।

# 'हम काफी अच्छे नहीं थे', वर्ल्डकप में खराब प्रदर्शन पर हेड का बयान

**एडिलेड, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के उप-कप्तान ट्रेविस हेड ने स्वीकारा है कि उनकी टीम मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप 2026 में काफी अच्छी नहीं थी। टीम के वर्ल्ड कप से जल्दी बाहर होने के बाद, हेड अब साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए शेफील्ड शील्ड में हिस्सा लेंगे। हेड ने बताया है कि ऑस्ट्रेलिया टी20 फॉर्मेट के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-बी में रखा गया था, जिसमें इस टीम ने 4 में से 2 मैच अपने नाम किए। आयरलैंड के खिलाफ 67 रन से जीत दर्ज करने के बाद ऑस्ट्रेलिया को जिम्बाब्वे ने 23 रन से मात देकर बड़ा उलटफेर कर दिया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका ने 8 विकेट से रौंदा। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल से बाहर हो गया। हालांकि, इस टीम ने ओमान के विरुद्ध 9 विकेट से शानदार जीत हासिल करते हुए अभियान का अंत किया। 2021 की चैंपियन टीम मल्टी-फॉर्मेट टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई थी। शेफील्ड शील्ड शुरू होने से पहले ट्रेविस हेड ने पत्रकारों से कहा, 'मुझे लगता है कि जब ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम नहीं जीतती तो बहुत से लोग माफी मांग लेते हैं। इसकी कोई वजह होनी चाहिए। लोग कोई वजह चाहते हैं। कभी-कभी वजह होती है, और कभी-कभी इसे समझाना थोड़ा मुश्किल होता है।

### टी20 वर्ल्ड कप: फिन एलन का रिकॉर्ड शतक, दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर

# फाइनल में पहुंची न्यूजीलैंड

**कोलकाता, एजेंसी।** न्यूजीलैंड ने टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। कोलकाता के इडेन गार्डेन में बुधवार को खेले गए मुकाबले में फिन एलन के रिकॉर्ड शतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

170 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड को सलामी बल्लेबाजों टिम साइफर्ट और फिन एलन ने तूफानी शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 9.1 ओवर में 117 रन जोड़े। इस स्कोर पर साइफर्ट 33 गेंदों पर 7 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 58 रन बनाकर आउट हुए। साइफर्ट का विकेट गिरने के बाद कोलकाता में फिन एलन का तूफान आया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने महज 33 गेंदों पर शतक लगा दिया। यह टी20 विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक है। एलन ने 33 गेंदों पर 8 छक्कों और 10 चौकों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए। विजयी चौका एलन के बल्ले से निकला। उनके साथ रविंद्र 11 गेंदों पर 13 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड ने 12.5 ओवर में 1 विकेट पर 173 रन बनाकर मैच 9 विकेट से जीत लिया और फाइनल में जगह बना ली।

इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने 8 विकेट पर 169 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका के लिए मार्को जानसेन ने 30 गेंदों पर 2 चौके और 5 छक्कों की मदद से नाबाद 55 रन की पारी खेली। जानसेन स्टब्स 29 के साथ छठे विकेट के लिए 73 रन की साझेदारी की थी।

न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने 4 ओवर में 34 रन देकर 2, कोले मैककोंची ने 1 ओवर में 9 रन देकर 2, लॉकी फर्ग्यूसन ने 4 ओवर में 29 रन देकर 1, निशम ने 3 ओवर में 42 रन देकर 1, और रचिन रवींद्र ने 4 ओवर में 29 रन देकर 2 विकेट लिए थे। फिन एलन प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

# होली पर कोरेक्स, शराब तस्करी करते 1 पकड़ाया

## कार से कर रहा था सप्लाई; 30 हजार रुपए का सामान

**मीडिया ऑडीटर, सतना ( निप्र )।** जिले की कोटर थाना पुलिस ने होली के दिन एक आरोपी को प्रतिबंधित कोरेक्स सिरप और अवैध अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी कार से नशीली सामग्री की तस्करी कर रहा था। थाना प्रभारी दिलीप मिश्रा ने बताया कि बुधवार को होली ड्यूटी के दौरान ग्राम बिहरा अहरी टोला में डस्टर कार क्रमांक क्क16 क्रष्ठ 3102 संदिग्ध हालत में खड़ी मिली।

पुलिस पार्टी ने कार में मौजूद प्रवीण तिवारी उर्फ पीके (37) निवासी अबेर से पूछताछ की, लेकिन वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। कार की तलाशी लेने पर

पुलिस को 12 बोतल अंग्रेजी शराब, 12 बोतल बीयर और 35 शीशी प्रतिबंधित ऑनरेक्स कफ सिरप बरामद हुई। जब्त की गई सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 30 हजार रुपये है।

कड़ाई से पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह होली के मौके पर शराब दुकानें बंद होने का फायदा उठाकर ग्रामीण इलाके में इन सामग्रियों को बेचने के लिए ले जा रहा था। पुलिस ने कार जब्त कर आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट सहित अन्य धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है।

# नदी किनारे मिला व्यक्ति का शव, रात में घर से निकला था मृतक; परिजनों को हत्या की आशंका

**मीडिया ऑडीटर, सतना ( निप्र )।** जिले के जैतवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोठरा गांव में गुरुवार सुबह एक व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घलघला नदी के पास मिला। मृतक की पहचान कोठरा निवासी 45 वर्षीय कौशलेंद्र सिंह उर्फ डब्लू के रूप में हुई है, जो बुधवार रात करीब 12 बजे घर से निकले थे।

सुबह करीब 7 बजे गांव के कुछ लोग टहलने के लिए निकले, तो उन्हें नदी किनारे कौशलेंद्र का शव पड़ा मिला। इस घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।

परिजनों ने बताया कि कौशलेंद्र बुधवार रात किसी काम से घर से बाहर गए थे,

लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। सुबह उनका शव मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

परिजनों ने कौशलेंद्र की हत्या किए जाने की आशंका जताई है। ग्रामीणों की सूचना पर जैतवारा थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है और हत्या तथा हादसे, दोनों पहलुओं से मामले की बारीकी से छानबीन कर रही है।

# सतना सेवा संकल्प के होली मिलन में रंग, उमंग और सेवा का संगम

**मीडिया ऑडीटर, सतना ( निप्र )।** सेवा और समर्पण के लिए विख्यात सतना सेवा संकल्प द्वारा जिला अस्पताल परिसर में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। सामाजिक कार्यकर्ताओं व्यापारियों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम ने सद्भाव और भाईचारे के रंगों को और प्रगाढ़ किया।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक फाग गीतों से हुई। गीत-संगीत हास्य-व्यंग्य और शेरो शायरी से वातावरण उल्लासमय हो उठा। समाजसेवी गिरीश अग्रवाल के चुटकुलों ने

जहां ठहाके बटोरे वहीं श्याम लाल गुप्ता श्यामू की भावपूर्ण शायरी ने सभी को भावविभोर कर दिया।

डांस प्रतियोगिता समारोह का मुख्य आकर्षण रही। सुरेश बड़ेरिया, मथुरा गुप्ता, जगदीश कश्यप और मधुकर पारेख की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

वक्ताओं ने कहा कि संस्था वर्षों से जिला अस्पताल में मरीजों और परिजनों की सेवा कर रही है। अंत में सभी ने गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और सेवा कार्यों को विस्तार देने का संकल्प लिया।

# प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड में 55वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस उत्साह के साथ मनाया गया

**मीडिया ऑडीटर, सतना ( निप्र )।** औद्योगिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करने हेतु प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड परिसर में 55वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत सुरक्षा ध्वजारोहण से हुई, जिसे मुख्य अतिथि मनीष कुमार सिंह (प्रेसीडेंट एंड प्लांट हेड) डॉ. मनीष कुमार सिन्हा (हेड एचआरएम एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स) एवं अमित बिहानी (हेड अकाउंट्स एंड फाइनेंस) की उपस्थिति में संपन्न किया गया। इसके पश्चात सुरक्षा वाचन कर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा शपथ दिलाई गई। स्वागत गीत

प्रताप देशमुख एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत किया गया।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि असावधानी ही दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है इसलिए सुरक्षित कार्य निर्देशों एसओपी और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का पूर्ण पालन आवश्यक है। अन्य वक्ताओं ने भी कार्यस्थल पर पारस्परिक सुरक्षा और जिम्मेदारी पर बल दिया।

कार्यक्रम में सुरक्षा कविता, लघु नाटिका विभिन्न प्रतियोगिताएं और फायर मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। अंत में राष्ट्रगान एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

# राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख को भावभीनी श्रद्धांजलि, ग्राम स्वावलंबन के संकल्प को किया नमन

**मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट, एजेंसी।** राष्ट्रऋषि भारतरत्न एवं ग्राम स्वावलंबन के प्रणेता नानाजी देशमुख की पुण्यतिथि 27 फरवरी को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चंद्रकमल त्रिपाठी एवं संभागीय प्रदेश प्रभारी विजय दुबे ने उन्हें भावपूर्ण विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने नानाजी देशमुख के ग्राम विकास आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण के विचारों को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि नानाजी का जीवन सेवा समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा का अद्वितीय उदाहरण है। चंद्रकमल त्रिपाठी ने बताया कि 90 के दशक में जब नानाजी देशमुख चित्रकूट आए थे तभी से उनका उनसे गहरा जुड़ाव रहा। उन्होंने उसी समय नानाजी के बताए मार्ग पर चलने और ग्राम स्वावलंबन के संकल्प को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया था। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने नानाजी के आदर्शों को आत्मसात कर समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

# बाल रंग 2026 का आयोजन आज

**मीडिया ऑडीटर, सतना ( निप्र )।** जिले में परंपरा अनुसार कोरोना काल में अपने माता-पिता को खो चुके बच्चों के साथ बाल रंग होली का कार्यक्रम षुक्रवार को प्रातः 10 बजे से सिविल लाइन के कलेक्टर निवास में आयोजित किया जायेगा। महिला बाल विकास विभाग और जिला प्रषासन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित बाल रंग 2026 के कार्यक्रम में संबंधित अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देष दिये गये है।

# मोटवा जंगल में पेड़ से लटका मिला अधेड़ का शव, 3-4 दिन पुराना होने की आशंका

**मीडिया ऑडीटर, सतना ( निप्र )।** जिले के मझगवां थाना क्षेत्र के मोटवा गांव से लगे जंगल में गुरुवार दोपहर एक अज्ञात अधेड़ का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने बताया कि शव लगभग 3 से 4 दिन पुराना प्रतीत हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, ग्रामीणों ने मोटवा गांव से सटे घने जंगल में महुआ के पेड़ पर एक व्यक्ति का शव लटका देखा। सूचना मिलने पर मझगवां थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची।

पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और शव को पेड़ से नीचे उतारा। कपड़ों की तलाशी लेने पर मृतक के पास से पहचान संबंधी कोई दस्तावेज या सामान नहीं मिला। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र लगभग 50 वर्ष है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सतना से फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। फिलहाल, पुलिस आसपास के गांवों में मृतक के बारे में पूछताछ कर उसकी शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है।

# नागौद बाजार में भारी वाहनों की एंट्री प्रतिबंधित, एसडीएम ने जारी किया आदेश

**मीडिया ऑडीटर, सतना ( निप्र )।** नागौद में बढ़ते यातायात दबाव और संभावित दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नागौद अनिकेत षांडिल्य ने षहर में भारी वाहनों की नो इन्ट्री के आदेश जारी किये है। नागौद बाजार क्षेत्र में भारी वाहन, ट्रक तथा अन्य मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर निर्धारित समय के लिए प्रतिबंध लगाया गया है। जारी आदेश के अनुसार प्रातः 9 बजे से रात्रि 8 बजे तक भारी वाहनों और व्यावसायिक मालवाहक वाहनों का बाजार क्षेत्र में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। शासकीय कार्य, आपातकालीन सेवाओं, दूध वाहन और पीडीएस से जुड़े वाहनों को विशेष परिस्थितियों में अनुमति दी जा सकती है। इसके अलावा बसों को बस स्टैंड के अंदर ही खड़ा करने के निर्देश दिए गए हैं तथा बाजार मार्ग पर भारी वाहनों की पार्किंग भी प्रतिबंधित कर दी गई है। प्रशासन ने नागरिकों और वाहन चालकों से यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफमोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 115 और मध्यप्रदेश मोटरयान नियम 1994 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

अनुविभागीय दण्डाधिकारी नागौद द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि नगर के प्रमुख मार्गों में सिंहपुर चौराहा से बाजार मार्ग, बस स्टैंड मार्ग, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से जवाहर चौक मार्ग सहित अन्य मुख्य रास्तों पर निर्धारित समय के दौरान भारी वाहनों का आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। माल उतारने-चढ़ाने से जुड़े वाहनों को भी निर्धारित समय में बिना अनुमति प्रवेश नहीं मिलेगा। बस स्टैंड जाने वाली बसें बस स्टैंड के अंदर ही खड़ी होंगी, बाहर खड़ी करने की अनुमति नहीं होगी। सिंहपुर चौराहे पर सवारी उतारने-चढ़ाने का कार्य चौराहे से 100 मीटर आगे या पीछे निर्धारित स्थान पर किया जाएगा। भारी वाहनों की पार्किंग नगर के बाहर नागौद के रामना मैदान में की जाएगी। साथ ही शासकीय कार्य, पीडीएस, दूध वाहन तथा अत्यावश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को इस आदेश से छूट रहेगी। विशेष परिस्थितियों में कार्यालय से अनुमति लेकर भारी वाहन सीमित समय के लिए प्रवेश कर सकेंगे।

## महिला दिवस 8 मार्च को फिट इंडिया वूमेन्स 2026 पर होंगे विशेष कार्यक्रम

**मीडिया ऑडीटर, सतना ( निप्र )।** अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर 6 मार्च से 8 मार्च तक फिट इंडिया वूमेन्स वीक 2026 के तहत विविध गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। महिलाओं एवं किषोरियों की सहभागिता सुनिष्चित कर उन्हें स्वास्थ्य, फिटनेस एवं आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देष्य महिला बाल विकास, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, पुलिस, पर्यटन विभाग आदि के सहयोग से दिवस वार थ्रीमैटिक गतिविधियां आयोजित होंगी।

# गेहूं उपार्जन के लिए सिकमी बटाईदार किसानों का अनुबंध की प्रति ईउपार्जन पोर्टल पर अपलोड होगी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय द्वारा गेहूं उपार्जन के लिए पंजीकृत सिकमी और बटाईदार द्वारा प्रस्तुत अनुबंध का सत्यापन राजस्व अमले द्वारा अनिवार्य रूप से किये जाने के निर्देष दिये गये हैं। गेहूं उपार्जन पंजीयन के लिए सिकमी बटाईदार द्वारा प्रस्तुत अनुबंध की प्रति ई-उपार्जन पोर्टल पर आपरेटर द्वारा स्कैन कर अनिवार्य रूप से अपलोड करने की व्यवस्था की गई है। उक्त सिकमी बटाईदार द्वारा प्रस्तुत अनुबंध का सत्यापन राजस्व विभाग के अमले द्वारा अनिवार्य रूप से करने के प्रावधान किये गये है।

खाद्य नागरिक आपूर्ति द्वारा जारी निर्देषों में कहा गया है कि समितियों द्वारा सिकमी बटाईदार श्रेणी के किसानों की पंजीयन की कार्यवाही में पंजीयन केन्द्र द्वारा कृषक द्वारा उपलब्ध कराये अनुबंध को पंजीयन के समय पोर्टल पर निर्धारित प्रारूप में पूर्णतः सही रूप से अपलोड कराये। सहकारी समिति द्वारा संचालित पंजीकरण केन्द्र किसानों द्वारा प्रस्तुत अनुबंध की सत्यता की जांच की जाये। ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत किसानों के रकबे और फसल का मिलान पोर्टल पर अपलोड से अनुबंध किया जायेगा। इसके अलावा मूल भूमिधारक द्वारा सिकमी एवं बटाईदार भूमि देने की पुष्टि भूमि स्वामी किसान से करवाई जायेगी। सिकमी बटाईदार किसान से पंजीकृत किसानों का षत-प्रतिषत सत्यापन राजस्व विभाग के अमले द्वारा कराया जायेगा। सिकमी कृषक के अनुबंध को पोर्टल पर अपलोड न करने अन्य किसान का पोर्टल पर अनुबंध अपलोड करने, अनुबंध के स्थान पर अन्य दस्तावेज अपलोड करने या अपूर्ण अस्पष्ट दस्तावेज अपलोड करने वाले सहकारी समिति द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र के कम्प्यूटर आपरेटर और किसान के पंजीयन का सत्यापन करने वाले राजस्व विभाग के अधिकारी के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

# एसपी-एएसपी 'चिकनी चमेली' गाने पर थिरके, आरक्षक 'मैं हूं खलनायक' पर नांचे; पुलिस ने 2 घंटे मनाई होली

**मीडिया ऑडीटर, सतना ( निप्र )।** रंगों के पर्व होली पर शहर की सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस प्रशासन ने गुरुवार को अपने परिवार के साथ होली मनाई। पुलिस लाइन में आयोजित होली मिलन समारोह में बॉलीवुड के गानों का बोलबाला रहा।

पुलिस कप्तान हंसराज सिंह और एडिशनल एसपी ने 'चिकनी चमेली' गाने की धुन पर डांस किया, वहीं युवा आरक्षक 'मैं हूं खलनायक' गाने पर जमकर झूमे। होली के खुशनुमा माहौल में अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच अनुशासित मस्ती का यह दौर लगभग 2 घंटे तक चला।

दूसरी ओर, सलाखों के पीछे केंद्रीय जेल में कैद बंदियों के बीच भी गुरुवार को होली का त्योहार मनाया गया। बंदियों ने देशी अंदाज में ढोलक, झांझ, मजीरा और हारमोनियम की धुन पर जमकर नृत्य किया। इस दौरान बंदियों में बेहद उत्साह देखने को मिला।

परंपरागत नृत्य के अलावा बंदियों ने फाग गाकर त्योहार मनाया। जेल अधीक्षक लीना कोस्टा, जेलर सहित जेल स्टाफ ने रंग-गुलाल एवं फूलों की बारिश की। जेल के अंदर बंदी ढोल, मंजीरा और हारमोनियम बजाते हुए नजर आए।

जेल अधीक्षक लीना कोस्टा ने बताया कि जेल में मथुरा-वृंदावन जैसा नजारा था और बंदियों में बेहद उत्साह था। उन्होंने कहा कि त्योहार में उन्हें पारिवारिक माहौल देने के लिए गुलाल एवं फूलों से होली खेली गई।

# शब्दों में ऊर्जा, दृष्टि में भविष्य... विनोद तिवारी की 40 साल पुरानी राजनीति आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा

**मीडिया ऑडीटर, सतना ( निप्र )।** समय की परतों में सहेजी गई एक याद आज भी कार्यकर्ताओं के दिलों में ताजा है। वर्ष 1985-86 का वह दौर जब विचारों में जोश था और संघर्ष में अटूट विश्वास। अमरपाटन विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रामगढ़ विदाई में आयोजित भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा की एक ऐतिहासिक सभा में युवाओं का उत्साह चरम पर था। सभा के मुख्य अतिथि तत्कालीन प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष शिवराज सिंह चौहान थे।

उस दौरान भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष विनोद तिवारी ने सभा को संबोधित करते हुए अपने शब्दों में ऊर्जा दृष्टि में भविष्य और मन में राष्ट्र सेवा का संकल्प स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया। उनके ओजस्वी वक्तव्य ने युवाओं में संगठन की ताकत और विचारधारा के प्रति समर्पण को नई दिशा दी।

सभा में राघवेंद्र मिश्रा, कमलेश्वर सिंह, मिथिलेश पांडे, संतोष सिंह (जिला महामंत्री), अजय समुद्र, सुरभि एडवोकेट, लक्ष्मण सिंह परिहार सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। उचेहरा से राम प्रसाद चौरसिया की जीत उस दौर की पहचान बनी।

यह वह समय था जब संसाधन सीमित थे लेकिन संकल्प असीम। राजनीति पद नहीं बल्कि परिश्रम और प्रतिबद्धता का पर्याय थी। 40 वर्षों बाद भी वह दौर युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।